A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 23, अंक 177, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पंजाब में किसानों से टकराव क्या आम आदमी पार्टी का दूरदर्शी कदम है?

जगदीप सिंधु

पंजाब में आप सरकार के किसानों के साथ बढ़ते टकराव ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी है। क्या यह आम आदमी पार्टी की रणनीतिक चूक है या प्रशासनिक सख्ती?

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार किसानों के किसी भी तरह के प्रदर्शन को कुचलने पर आमादा है। अब प्रदर्शन करने वाले किसानों को अपने ही गांव में घेरा जाने लगा है ताकि वो प्रदर्शन के लिए बाहर ही न निकल सकें। बीते बुधवार यानी 18 फरवरी को बठिंडा जिले के रामपुरा फूल ब्लॉक के गांव ज्योंद में ऐसी ही घटना हुई।

भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहां) के सदस्य प्रदर्शनकारी किसान जेल में बंद दो वरिष्ठ नेताओं की रिहाई की मांग कर रहे थे। आंदोलन की शुरुआत ज्योंद गांव से हुई जहाँ किसानों ने पहले बठिंडा चंडीगढ़ मार्ग पर धरना दिया और यातायात बाधित कर दिया।

प्रदर्शनकारियों को जिला प्रशासनिक परिसर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने बठिंडा और उसके आसपास भारी पुलिस बल तैनात कर दिया था। किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन गांव की एक आंतरिक सड़क पर स्थानांतरित कर दिया जिसके बाद उन्होंने शहर की ओर मार्च करने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिशें की और परिणाम स्वरूप वहां झड़प हो गई। पुलिस ने गांव को घेर कर प्रदर्शनकारियों के बाहर जाने के रास्ते बंद कर दिए। पुलिस की इस कार्यवाही से गांव के लोगों में असंतोष उग्र हो गया।

प्रदर्शन करने वाले किसानों पर कार्रवाई: बठिंडा पुलिस ने बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहां) के कार्यकर्ता किसानों के साथ हुई इस हिंसक झड़प के बाद लगभग 400 अज्ञात व्यक्तियों के खिलफ हत्या के प्रयास और लोकसेवकों पर हमले एवं के कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि किसानों ने सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी की और पुलिस को क्षति पहुँचाने की कोशिशें की। बठिंडा की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ज्योति यादव बैंस ने कहा कि किसानों ने घरों की छतों से पुलिस पर पत्थरबाजी की जिस कारण स्थिति बिगड़ी है। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और आँसू गैस के गोले दागे।

जानकारी के अनुसार पुलिस को रात में ही बड़ी संख्या में वहां तैनात कर दिया गया था और उन्होंने गांव को चारों ओर से घेर लिया था। सुबह ही लोगों को घरों में गिरफ्तार करके रखने की कार्यवाही की जाने लगी और घरों की तलशी अभियान किया गया जिसका विरोध गांव वालों ने किया।

प्रदर्शनकारी किसानों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना किसी उकसावे के आंसू गैस का प्रयोग किया और किसानों पर पत्थरबाजी की। सोशल मीडिया पर मौजूद कई वीडियो में पुलिस को लोगों पर पत्थर फेंकते साफ देखा जा सकता है। घरों की छत्तों पर चढ़े पुलिस कर्मी वहां लोगों पर लाठियां बरसाते देखे जा सकते हैं।

किसानों ने कहा है कि विरोध प्रदर्शन करना एक लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने पुलिस पर ज्यादती करने का आरोप लगाया है और कहा कि उनके विरोध प्रदर्शन के आह्वान से पहले ही पुलिस ने किसान नेताओं के घरों पर छापा मार कर हिरासत में ले लिया।

इस घटना से बठिंडा पुलिस अधीक्षक ज्योति यादव बैंस की यह कार्यवाही सवालों के घेरे में आ गयी है। आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के करीबी माने जाने वाले पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की पत्नी ज्योति यादव 2019 बैच की आईपीएस अधिकारी हैं। इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन में सक्रियता के दौरान ही ज्योति यादव और हरजोत बैंस का परिचय जीवन बंधन तक पहुंच गया। लुधियाना में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर रहते हुए भी ज्योति यादव का पंजाब की एक अन्य आम आदमी पार्टी की विधायक रजिंदर पाल छीना से उनके विधानसभा क्षेत्र में बिना बताये खोजबीन अभियान को लेकर विवाद हुआ था। हरजोत बैंस ने लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स और राजनीति विज्ञान से एक अल्पकालिक कोर्स अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार कानून में किया हुआ है।

बठिंडा के किसानों के विरोध प्रदर्शन के समर्थन में जा रहे पटियाला के किसानों को समाना में भवानीगढ़ मार्ग पर रोक दिया जहाँ सड़क मार्ग पर मिट्टी से भरे टिपर ट्रक मार्ग अवरुद्ध कर रहे थे। आगे बढ़ने से रोके जाने पर समाना के एक गुरुद्वारा के पास किसानों और पुलिस की बीच झड़पें भी हुई।

किसानों के अधिकारों के हनन की घटनाएं पहले भी पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल में देखी गई हैं। पिछले वर्ष खनौरी और शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान के आंदोलन को खदेड़ने की कार्यवाही आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा की गई थी। विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर क़ानून तोड़ने के आरोपों में किसानों पर दर्ज मुक़दमों को ख़ारिज करने की मांग काफ़ी समय से लंबित हैं जबकि सरकार द्वारा नेताओं से समझौता बातचीत के दौरन इन मुकदमों को ख़ारिज करने के आश्वासन मिले थे।

कृषि संबंधी मुद्दों की मुखर समर्थक और किसानों के हमदर्द होने का दम भरने वाली आम आदमी पार्टी का अब किसानों से टकरावपूर्ण रुख सामने आया है। इसमें किसान प्रदर्शन पर पुलिस कार्रवाई, गिरफ्तारियां मुकदमे दर्ज करना, किसानों को बेदखल करने जैसे क़दम उठाए गए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान हाल ही में अपने सबसे महत्वपूर्ण समर्थक आधार में से एक किसानों के साथ मतभेद और टकराव की स्थिति में फंस गए हैं। आम आदमी पार्टी सरकार का किसानों का दमन करके उन्हें समर्पण की ओर धकेलने का लक्ष्य किस राजनीतिक दृष्टिकोण से प्रेरित हैं, यह सवाल गंभीर है। क्या पंजाब में किसान वर्ग आम आदमी पार्टी की नयी राजनीतिक रणनीति को स्वीकार कर समर्पण की राह अपना लेंगे या आने वाले 2027 के विधानसभा चुनावों में फिर कोई परिवर्तन की ओर बढ़ जायेंगे?

राजनीति में जोखिम लेने का कोई स्थान होता नहीं। आम आदमी पार्टी के पंजाब में सत्ता में आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले किसान वर्ग की उपेक्षा करना क्या वास्तव में पार्टी का कोई दूरदर्शी क़दम है?

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

वह देखना चाहती है सिर्फ़ उसे
मगर देख रही है कहीं और
जबकि वह देख रही टकटकी बांध
सिर्फ़ उसी की ओर

एक-दूसरे को देखने के ये अपने-
अपने तरीके हैं
इस तरह सुनने-समझने
मौन-मुखर रहने के भी

प्रेम की पहली सीढ़ी है यह
इसमें न कहकर कहा जाता है
न सुनकर सुना जाता है
न देखकर देखा जाता है

अभी तो बात सिर्फ़ इतनी-सी है।

\- विष्णु नागर

इजराइल में भी चलेगा भारतीय यूपीआई

पीएम मोदी- नेतन्याहू की बैठक में हो गया समझौता, जयशंकर भी रहे मौजूद

मोदी बोले- जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे, इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात

तेल अवीव (एजेंसी)। पीएम मोदी के इजराइल दौरे का गुरुवार को दूसरा दिन था। इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा, इसे लेकर मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू द्विपक्षीय मीटिंग में समझौता हुआ है। पीएम नेतन्याहू के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा। उन्होंने कहा कि इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात है। पीएम मोदी आज सुबह सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मोदी इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मिले। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं, पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया।

- **मोदी ने कहा-भारत-इजराइल की दोस्ती टाइम टेस्टेड-** पीएम मोदी ने भारत और इजराइल रिश्तों का जिक्र करते हुए कहा कि दोस्तों हमारे संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारिशिलाओं पर आधारित हैं। उस पर स्थापित है। हमारे रिश्ते समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। आज हमने अपनी टाइम टेस्टेड साझेदारी को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मोदी ने कहा कि कल मुझे इजराइल की संसद को संबोधित करने का मौका मिला। वहां मुझे स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल से भी सम्मानित किया गया। मैं इस सम्मान के लिए नेसेट के स्पीकर और मेरे मित्र पीएम नेतन्याहू और इजराइल के लोगों का हार्दिक धन्यवाद करता हूं।

पीएम मोदी इंस्टाग्राम पर दस करोड़ फॉलोअर्स वाले पहले नेता

ट्रम्प से दोगुने, दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स भी उनसे कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन, यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे दुनिया के पहले लीडर और पॉलिटिशियन बन गए हैं। पीएम मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। यहां उनके अमेरिकी प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ट्रम्प 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स की संख्या मोदी के अकेले फॉलोअर्स की संख्या से कम है। ट्रम्प के बाद इंडोनेशिया के प्रेसीडेंट प्रबोवो सुबियांटो 15 मिलियन फॉलोअर्स का नंबर आता है। ब्राजील के प्रेसीडेंट लूला 14.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे नंबर पर हैं। तुर्की के प्रेसीडेंट एर्दोगन के 11.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

मुख्यमंत्री सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में हुए शामिल

'स्व से सृष्टि' तक मंगल ही हमारा संकल्प

सेवा ही हमारा परम धर्म : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को राजस्थान के भीलवाड़ा में हरिशेवा उदासीन आश्रम के स्थानापति परमपूज्य श्री महामण्डलेश्वर स्वामी हंसरामजी महाराज की मौजूदगी में हुए सनातन मंगल महोत्सव, संत समागम एवं दीक्षा महोत्सव में शामिल हुए। राजा भलराज भील की नगरी भीलवाड़ा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामी हंसरामजी महाराज से भेंटकर उनका सानिध्य और आशीर्वाद भी प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भीलवाड़ा के हरिशेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में गादी पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगल महोत्सव एवं संत समागम में देश-विदेश से आये विद्वतजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सबके मंगल की कामना करने वाली महान और गौरवशाली भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। हमारी संस्कृति का सूत्र वाक्य ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' है। हमारा यही जीवन मूल्य हमें 'स्व के साथ पूरी सृष्टि' के कल्याण की प्रेरणा देता है। सनातन मंगल महोत्सव का आयोजन हमारी सर्व कल्याणकारी भावना की ही जीवंत अभिव्यक्ति है। खुद के लिए तो सब जीते हैं, संसार के सभी प्राणियों, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों-वनस्पतियों के कल्याण के जीवोमूल लक्ष्य के लिए जीना ही हम सबका परम सेवाधर्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की जड़ें सेवा, समर्पण, विश्व बंधुत्व और सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की परोपकारी भावना में निहित हैं। सेवाभाव ही हमारी संस्कृति का प्राण है और जीवमात्र की सेवा ही श्रीहरि की सेवा है, सम्पूर्ण मानवता की सेवा है। उन्होंने कहा कि 'रा' से राजस्थान और 'म' से मध्यप्रदेश मिलकर 'राम' की महिमा बढ़ा रहे हैं। हमारी सरकार राम और कृष्ण के जहां-जहां चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित कर रही है। हम श्रीरामचन्द्र गमन पथ और श्री कृष्ण पाथेय तैयार कर रहे हैं।

- **जो सबके मंगल की कामना करे, ऐसी महान है हमारी भारतीय संस्कृति**
- **सिंहस्थ महाकुंभ-2028 में सभी साधु-संतों को किया आमंत्रित**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में नैतिक मूल्यों, करुणा, सद्भाव और समरसता के प्रसार में संतजनों की भूमिका निरापद रूप से अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। पूज्य हंसरामजी महाराज धर्म के सभी मूल्यों, भक्ति, सेवा, सत्य, अहिंसा को जीवंत रख रहे हैं। आश्रम के माध्यम से आपने हजारों असहायों को सहारा दिया। उन्होंने कहा कि मानव कल्याण के पुनीत उद्देश्य से हो रहे इस मंगल आयोजन में आकर वे बेहद गौरवान्वित हैं। संस्कृति से ही हमारी पहचान है। हमारी सरकारें जीवन मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, पर्यावरण पर एकजुट होकर काम कर रही हैं। हमें संकल्प लेना होगा कि हम अपने बच्चों को वेद-पुराण पढ़ाएं, संस्कार दें, सेवा में लगाएं और धर्म की रक्षा करें। धर्म केवल पूजा नहीं, हमारी जीवन पद्धति है। सेवा से श्रीहरि मिलते हैं। भक्ति से मुक्ति मिलती है। इसलिए हम सब मिलकर संकल्प लें कि समाज में एकता लाएंगे, युवाओं को अच्छे संस्कार देंगे और भारत को एक बार पुनः विश्व गुरु बनाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धर्म का मंगल तभी संभव है, जब हम संतजनों के उपदेशों को अपने जीवन में भी उतारें। उन्होंने कहा कि धर्म हमारे जीवन का सार है, जो हमें बताता है कि हम कौन हैं, हमारा उद्देश्य क्या है और इस उद्देश्य के लिए हम किस दिशा में आगे बढ़ें। भगवान श्रीराम का गुरु वशिष्ठ से तथा श्रीकृष्ण का गुरु सांदीपनि से शिक्षा गृहण करना हमें गुरु-शिष्य परंपरा सिखाता है। आज हमें इन्हीं जीवन मूल्यों को पुनःस्थापित करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सिंहस्थ कुंभ के माध्यम से उज्जैन को देशभर के साधु-संतों का आशीर्वाद मिलता रहा है। सनातन संस्कृति में हमारे बच्चे परिवार को अमरता प्रदान करते हैं। यत्र पिंडे-तत्र ब्रह्मांडे, जैसा हमारे पिंड में है वैसा ही ब्रह्मांड में है। संतों के माध्यम से करोड़ों साल से ज्ञान की गंगा प्रवाहित होती रही है। साधु-संतों के जरिए हमें देवताओं के दर्शन होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. ने कहा कि जब बृहस्पति ग्रह सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, तब सिंहस्थ होता है। उज्जैन में वर्ष 2028 में सिंहस्थ महाकुंभ का भव्य आयोजन होने वाला है।

शंकराचार्य केस में नाबालिगों से यौन शोषण की हो गई पुष्टि!

मेडिकल रिपोर्ट आई, पीड़ित बटुक बोला- अविमुक्तेश्वरानंद ने शोषण किया

वाराणसी (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में बच्चों की मेडिकल रिपोर्ट आ गई है। पुलिस सूत्रों का दावा है कि बच्चों के साथ दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। पुलिस ने बुधवार को पीड़ित नाबालिगों का मेडिकल टेस्ट कराया था। दो डॉक्टरों के पैनल ने प्रयागराज के सरकारी अस्पताल में मेडिकल टेस्ट किया। रिपोर्ट बंद लिफाफे में गुरुवार को जांच अधिकारी को सौंप दी गई है। इसे शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बटुकों से कुकर्म किसने किया। कब किया। कहां किया। ये जांच का विषय है। पूरी जांच के बाद स्पष्ट होगा कि अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे आरोप कितने सही हैं। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्र ने बताया कि कोर्ट का मामला है।

राजस्थान में बारूद से गूंजेगा बॉर्डर इलाका

77 फाइटर जेट दिखाएंगे ताकत, राष्ट्रपति मुर्मू पहली बार लड़ाकू हेलीकॉप्टर में भरेंगी उड़ान

जैसलमेर (एजेंसी)। पाकिस्तान बॉर्डर के पास राजस्थान के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज (जैसलमेर) में भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास वायु शक्ति-2026 कल होगा। युद्धाभ्यास में सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहेंगी। वे 2 दिवसीय (26 और 27 फरवरी) जैसलमेर दौरे पर हैं। तय शेड्यूल के अनुसार- राष्ट्रपति 27 फरवरी को कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरेंगी। इस दौरान वे युद्धाभ्यास क्षेत्र का हवाई मुआयना करेंगी। यह पहली बार होगा, जब राष्ट्रपति जैसलमेर की सीमावर्ती एयरस्पेस में किसी लड़ाकू हेलीकॉप्टर की सह-पायलट बनेंगी। इसके बाद वे वायुसेना स्टेशन पर अधिकारियों और जांबाजों के साथ संवाद कर उनका हौंसला बढ़ाएंगी। शाम को राष्ट्रपति पोकरण रेंज पहुंचेंगी, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में वायु शक्ति युद्धाभ्यास की शुरुआत होगी। इस दौरान आसमान से बरसती आग और सटीक निशानों के जरिए वायुसेना अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन करेगी।

- **आसमान से बरसेगी स्वदेशी मारक क्षमता-** वायु शक्ति-2026 में प्रचंड के अलावा राफेल, सुखोई-30 और अपाचे जैसे विमान भी अपनी ताकत दिखाएंगे। राष्ट्रपति की इस यात्रा को सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जैसलमेर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चांधन से लेकर पोखरण तक पूरे इलाके को नो फ्लाई जोन घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भारतीय वायुसेना के विमानों से पुराना और गहरा नाता रहा है। वे न केवल सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, बल्कि उन्होंने खुद फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स में उड़ान भरकर देश के जवानों का हौंसला बढ़ाया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने 29 अक्टूबर, 2025 को अंबाला स्थित गोल्डन एरोज से उड़ान भरकर एक नया इतिहास रचा था।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

एसआईआर पहचान सत्यापन में एडमिट कार्ड अकेले मान्य नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- साथ में 8वीं-10वीं की मार्कशीट होना भी जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के दौरान 10वीं या माध्यमिक परीक्षा का एडमिट कार्ड अकेले पहचान के रूप में मान्य

नहीं होगा। इसे सिर्फ सहायक (पूरक) दस्तावेज माना जाएगा। एडमिट कार्ड तभी मान्य होगा जब उसके साथ मार्कशीट भी दी जाए। सीनियर एडवोकेट डीएस नायडू ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मामला उठाते हुए पूछा था कि क्या क्लास 8वीं की परीक्षा का एडमिट कार्ड अपने आप में पहचान पत्र रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इस पर चीफ जस्टिस की बेंच ने कहा कि क्लास 8वीं की मार्कशीट पहचान सत्यापन के लिए मान्य दस्तावेजों में शामिल है। एडमिट कार्ड सिर्फ उसी की पुष्टि के लिए जोड़ा जा सकता है। एडमिट कार्ड सिर्फ सहायक कागज है, यह अकेले पहचान का आधार नहीं बन सकता।

30 साल पुरानी 'दो बच्चों' की अनिवार्यता खत्म

अब तीन से अधिक संतान वाले भी लड़ सकेंगे पंचायत चुनाव

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव करते हुए स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में चुनाव लड़ने के लिए दशकों पुराने दो बच्चों के नियम को समाप्त करने की मंजूरी दे दी है। बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में यह महत्वपूर्ण निर्णय

लिया गया। तत्कालीन शेखावत सरकार ने दो से अधिक बच्चों के माता-पिता के चुनाव लड़ने पर रोक लगाई थी। दो बच्चों की बाध्यता समाप्त करने को लेकर मंत्रिमंडल में फैसले के बाद अब विधानसभा के वर्तमान सत्र में राजस्थान पंचायतीराज संशोधन विधेयक और राजस्थान नगरपालिका संशोधन विधेयक-2026 विधेयक पारित होंगे। मंत्रिमंडल की बैठक में भारत मंडपम की तर्ज पर जयपुर में 5800 करोड़ रुपये की लागत से राजस्थान मंडपम बनाने का भी फैसला लिया गया।

यूथ कांग्रेस की गिरफ्तारी पर 18 घंटे हाईवोल्टेज ड्रामा

हिमाचल पुलिस ने 2 बार दिल्ली पुलिस को रोका, अर्धनग्न प्रदर्शन किया था

शिमला (एजेंसी)। दिल्ली में एआई समिट में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करने के आरोप में 3 यूथ कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर बुधवार को हिमाचल और दिल्ली

पुलिस में टकराव हो गया। दिल्ली पुलिस ने शिमला के एक होटल से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 3 नेताओं को गिरफ्तार किया, लेकिन हिमाचल पुलिस ने उन्हें आधे रास्ते में रोक लिया और दिल्ली नहीं ले जाने दिया। हिमाचल पुलिस का तर्क था कि इस बारे में दिल्ली पुलिस ने कोई औपचारिक सूचना नहीं दी। हिमाचल में सादे कपड़ों में आकर मेहमानों को उठाया गया।

एस-400 फायरिंग वाला सेना का पहला वीडियो जारी

- अचूक और सटीक हमले किए, सारे टारगेट हो गए ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना ने गुरुवार को एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम से फाइरिंग वाला पहला आधिकारिक वीडियो जारी किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस से खरीदे गए इस मिसाइल सिस्टम ने दुश्मन के खिलाफ भारी सफलता दिलाई थी और पाकिस्तान के सीमा के काफी भीतर लगभग 300 किलो मीटर दूर तक जाकर पाकिस्तानी एयर फोर्स के विमान को मार गिराया था। भारतीय वायु सेना ने जो वीडियो जारी किया है,वह वायुशक्ति 2026 युद्धाभ्यास के फुल ड्रेस रिहर्सल का है, जो बुधवार को राजस्थान के जैसलमेर में पोखरण में हुआ है। शुक्रवार को यह वायुशक्ति 2026 युद्धाभ्यास होने वाला है।

- एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने दिखाई तबाही- वीडियो में भारतीय वायु सेना ने कहा है कि दुश्मन पहुंच से बाहर हो सकता है, लेकिन नजरों से कभी भी ओझल नहीं होता।...असाधारण से निपटना हमारा रुटीन है। वीडियो में रडार अपनी ओर आते एक जेट को टारगेट पर लेता है और एयर डिफेंस सिस्टम को फॉरन ऐक्टिवेट कर देता है। भारतीय वायु सेना ने अपनी तैयारी को अचूक,अभेद्य और सटीक बताया है। भारतीय वायु सेना ने पोखरण में शक्ति 26 के लिए रिहर्सल की है।

1 मार्च से सिम कार्ड के बिना अब नहीं चलेगा वॉट्सएप

- सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से मना किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि सिम बाइंडिंग के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत फोन में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉग-आउट हो जाएगा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि फिलहाल नियमों को मानने की समय-सीमा आगे बढ़ाने पर कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि ये नियम राष्ट्रीय सुरक्षा और धोखाधड़ी रोकने के लिए लागू किए गए हैं और सुरक्षा के मुद्दों पर सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। यूजर्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका वॉट्सएप जिस नंबर पर है, वह सिम उसी फोन में लगा हो। अगर सिम कार्ड फोन से बाहर निकाला तो मैसेजिंग ऐप काम करना बंद कर सकता है।

इंडस्ट्री एसोसिएशन ने सरकार को चेतावनी दी है कि हर 6 घंटे में लॉग-आउट करने का नियम प्रोफेशनल्स के लिए परेशानी भरा होगा जो काम के लिए वॉट्सएप वेब पर निर्भर हैं। साथ ही उन परिवारों को भी दिक्कत होगी जो एक ही अकाउंट शेयर करते हैं।

उप पुलिस अधीक्षकों को संसदीय प्रक्रिया की जानकारी दी

भोपाल। पंडित कुंजीलाल दुबे संसदीय विद्यापीठ द्वारा आयोजित 45वें उप पुलिस अधीक्षक बैच, भोपाल को संसदीय पद्धति एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा विधानसभा कार्यवाही का अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यापीठ संचालक डॉ. प्रतिमा यादव एवं उपसंचालक एम.के. राजोरिया ने किया। विषय-विशेषज्ञ के रूप में पुनीत श्रीवास्तव,सेवानिवृत्त अपर सचिव, विधानसभा सचिवालय एवं प्रणय कुमार नागवंशी, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, राज्य साइबर, पुलिस मुख्यालय, भोपाल ने व्याख्यान दिए। समापन अवसर पर उपसंचालक एम.के. राजोरिया ने प्रतिभागियों से उनके अनुभव साझा। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों की सक्रिय एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता की प्रशंसा की तथा इसे संसदीय कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। तत्पश्चात् सभी प्रतिभागियों को प्रणय कुमार नागवंशी ने प्रमाणपत्र वितरित किए।

'करप्शन इन ज्यूडीशियरी' वाली किताब पर 'सुप्रीम' बैन

- सीजेआई ने कहा-हार्ड कॉपी वापस लें डिजिटल कॉपी हटाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' चैप्टर वाली एनसीईआरटी की किताब बैन कर दी है। गुरुवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 8वीं क्लास की सोशल साइंस की यह किताब छापने और बांटने पर रोक लगा दी। पहले भेजी गईं किताबें वापस लेने और डिजिटल कॉपियां हटाने का आदेश भी दिया। कोर्ट ने इस मामले में एनसीईआरटी डायरेक्टर और केंद्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस

जारी कर जवाब मांगा है। सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने को भी कहा है। सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदारों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं होगा। एनसीईआरटी पर अवमानना की कार्रवाई भी हो सकती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खुद नोटिस लिया है।

बड़े नेता-अफसर समुदाय विशेष को टारगेट नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-धर्म या जाति के आधार पर बदनाम करने का अधिकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऊंचे संवैधानिक पदों पर बैठे नेता-अफसर किसी समुदाय को धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के आधार पर निशाना नहीं बना सकते। ऐसा करना संविधान के खिलाफ है। किसी भी माध्यम से समुदाय को बदनाम नहीं करने दे सकते। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने आगामी नेटफ्लिक्स क्राइम थ्रिलर घूसखोर पंडत पर 19 फरवरी को सुनवाई की थी। ये टिप्पणियां जस्टिस भुइयां ने फिल्म की रिलीज को चुनौती देने वाली याचिका पर अपने अलग फैसले में कही थीं। कोर्ट के ऑर्डर की डिटेल कॉपी आने के बाद बुधवार को जानकारी सामने आई है। इस दौरान उन्होंने कहा था, संविधान के अनुसार राज्य या गैर-राज्य अभिनेता सहित कोई भी व्यक्ति भाषण, मीम, कार्टून या दृश्य कला जैसे किसी भी माध्यम से किसी समुदाय को बदनाम या अपमानित नहीं कर सकता। बेंच ने फिल्म निर्माता नीरज पांडे के हलफनामे को रिकॉर्ड में लेकर याचिका खत्म कर दी थी। अदालत ने उम्मीद जताई थी कि विवाद अब खत्म हो जाएगा।

सरकार का प्रयास है कि मध्यप्रदेश आदर्श स्वास्थ्य मानकों को करें प्राप्त : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग) श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विधानसभा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की अनुदान मांगों पर सदन के सदस्यों की चर्चा उपरांत वक्तव्य में कहा कि सभी सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि मध्यप्रदेश आदर्श स्वास्थ्य मानकों को प्राप्त करे। इसके लिए प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि चिकित्सकों और विशेषज्ञों की पर्याप्त उपलब्धता के लिए नवीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। विगत 2 वर्षों में प्रदेश में लगभग 1000 एमबीबीएस एवं 1 हज़ार पीजी सीटों की वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र के सशक्तीकरण के लिए निजी सहभागिता को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। धार, कटनी, बैतूल और पन्ना में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए एलओए जारी किए जा चुके। कुल 13 ज़िलों में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना प्रगतिरत है। शीघ्र ही हर लोकसभा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज संचालित होंगे। इससे आगामी समय में पर्याप्त चिकित्सक और विशेषज्ञ उपलब्ध होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के साथ चिकित्सकीय मैनपावर की उपलब्धता के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। विगत 2 वर्षों में प्रदेश में 4 हज़ार चिकित्सक एवं विशेषज्ञ की भर्ती हुई है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सीएम केयर योजना में सभी मेडिकल कॉलेज में उच्च स्तरीय तृतीयक सेवाओं हार्ट, किडनी, लिवर और अन्य महत्वपूर्ण ऑर्गन ट्रांसप्लांट सहित ट्रॉमा सेंटर सशक्तीकरण के प्रावधान किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि अंगदान/देहदान प्रोत्साहन से प्रदेश में अंगदान के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है। योजना के क्रियान्वयन से अब तक 1700 नागरिकों ने अंगदान की सहमति दी है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रिवेंटिव, क्यूरेटिव और जेरियाट्रिक तीनों क्षेत्रों में फोकस के साथ कार्य कर रही है। निरोगी काया अभियान, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान, स्वस्थ यकृत मिशन, टीबी मुक्त भारत अभियान, सिकल सेल उन्मूलन मिशन इन सभी अभियानों मध्यप्रदेश देश के अग्रणी रहा है। उन्होंने समस्त जनप्रतिनिधियों से स्वास्थ्य क्षेत्र की सेवाओं और अभियानों से अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए जनप्रतिनिधियों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में विगत वर्षों में शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में मैदानी कार्यकर्ताओं आशा और एएनएम की सक्रिय भागीदारी से हर गर्भवती महिला का पंजीयन सुनिश्चित कर नियमित एएनसी जांच की जा रही है जिससे सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। अभी भी इस क्षेत्र में जागरूकता आवश्यक है। परिजन को जागरूक और संवेदनशील बनाना होगा जिससे हाई रिस्क प्रेगनेंसी का समय से चिन्हांकन और उपयुक्त उपचार का सुव्यवस्थित प्रबंधन किया जा सके।

अमित शाह का अररिया से घुसपैठ पर हल्ला बोल

- केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा- जल्द शुरू होने जा रहा ऑपरेशन

अररिया (एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल के कार्यक्रम में अररिया पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्र सरकार का इरादा साफ कर दिया है। उन्होंने कहा है कि हम पूरे सीमांचल को घुसपैठियों से मुक्त करेंगे। आमतौर पर लोगों को नेता को वादे याद कराने पड़ते हैं। लेकिन मैं यहां की जनता को अपना वादा याद दिलाने आया हूं। घुसपैठिए गरीबों के अनाज की हकमारी करते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए इनको देश से बाहर करना जरूरी है। बिहार की सरकार से लेकर डीएम, एसपी से डिटेल मीटिंग करके हम ऐक्शन प्लान बना रहे हैं। सीमा से 10 किमी अंदर जितने भी अवैध अतिक्रमण हैं, उन्हें हटा दिया जाएगा। अमित शाह ने अररिया के कार्यक्रम से बड़ा ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम एक-एक घुसपैठियों

को भारत की भूमि से चुन-चुन कर बाहर कर देंगे। ये कोई चुनावी वादा नहीं है, ये केंद्र की मोदी सरकार का संकल्प है। हमने वादा किया था कि घुसपैठियों को सीमांचल से बाहर निकाल देंगे।

- डेमोग्राफी के लिए नई रिसर्च कमेटी बनाने का ऐलान- अमित शाह ने आगे कहा कि सरकार ने निर्णय लिया है कि जन सांख्यिकी यानी डेमोग्राफी परिवर्तन की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति की घोषणा की जाएगी। वो समिति सिर्फ सीमा के इलाके नहीं, बल्कि पूरे देश की बदली डेमोग्राफी का गहराई से अध्ययन कर रिपोर्ट करेगी। फिर इसे कुदरती बनाने के उपाय सुझाएगी। डेमोग्राफी में बदलाव को देखें तो इससे सबसे ज्यादा प्रभावित बिहार, बंगाल और झारखंड है। बंगाल में भी हम एक-एक घुसपैठियों को हम चुन-चुन कर बाहर भेजेंगे।

हरीश पाठक को धर्मवीर भारती और विष्णु नागर को रवींद्रनाथ त्यागी सम्मान

मुंबई। कथाकार,पत्रकार हरीश पाठक को प्रतिष्ठित धर्मवीर भारती स्मृति व्यंग्य यात्रा सम्मान 2026 से सम्मानित किया जायेगा। इसके पहले यह सम्मान विश्वनाथ सचदेव, आबिद सुरती और बलराम को दिया जा चुका है। प्रख्यात कथाकार, व्यंग्यकार, संपादक विष्णु नागर को रवींद्रनाथ त्यागी स्मृति व्यंग्य यात्रा शीर्ष सम्मान और सोपान सम्मान विनोद कुमार विक्की और शारदा त्यागी स्मृति व्यंग्य यात्रा सम्मान स्नेहलता पाठक को दिया जाएगा। व्यंग्य यात्रा व्यंग्य चिंतक सम्मान संयुक्त रूप से बी एल आच्छा तथा संजीव कुमार को दिया जाएगा।

रवींद्रनाथ त्यागी स्मृति एवं व्यंग्य यात्रा प्रबंध समिति की बैठक में बड़ी संख्या में आयी संस्तुतियों,प्रविष्टियों पर गहन चर्चा के बाद सर्व सम्मति से यह पुरस्कार तय किये गये। प्रख्यात कथाकार ममता कालिया की गरिमामयी उपस्थिति और प्रेम जनमेजय की अध्यक्षता और सरंक्षक अशोक त्यागी और महासचिव रणविजय राव इसमें शामिल थे। प्रख्यात कथाकार सूर्यबाला से फोन पर संस्तुति ली गयी।

सम्मानित होनेवाले सभी साहित्यकारों को सम्मान राशि के साथ प्रशस्ति पत्र,स्मृति चिह्न, शॉल और श्रीफल दिया जाएगा। सम्मान समारोह 21 मार्च,2026 को दिल्ली स्थित हिंदी भवन में शाम 5 बजे होगा।

विक्रमोत्सव 2026: आध्यात्मिक स्वर लहरियों के साथ 'सौगंधिकाहरण' मंचित

उज्जैन से डॉ. जफर महमूद

उज्जैन में विक्रमोत्सव-2026 के अंतर्गत दस दिवसीय राष्ट्रीय विक्रम नाट्य समारोह का समाहार हुआ। समापन संध्या कर्नाटक संगीतज्ञ मनोहर के निर्देशन में 'अभंग नाद' की प्रस्तुति हुई। इस प्रस्तुति में तबला, मृदंगम, घटम, काजोन, ढोलक, वायलिन और बांसुरी जैसे विविध वाद्यों का समन्वित प्रयोग और संयोजनने महाराष्ट्र की समृद्ध अभंग परंपरा को मंच पर सजीव किया। भगवान विठ्ठल की स्तुति में रचित अभंगों को शास्त्रीय लय, प्रयोग धर्मी संयोजन और सजीव ताल-संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक भक्ति-भाव और समकालीन ध्वनियों के इस प्रभावी संगम ने श्रोताओं को भक्ति और लय के अद्वितीय अनुभव से जोड़ते हुए पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों की सुमधुर स्वर लहरियों ने श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर एक दिव्य वातावरण का सृजन किया। दूसरी प्रस्तुति में प्रख्यात नाट्य निर्देशक पियाल भट्टाचार्य के निर्देशन में नाटक 'सौगंधिकाहरण' के प्रभावी मंचन हुआ। सौगन्धिकाहरण संस्कृत साहित्य का प्रसिद्ध एकांकी नाटक है। जिसे विश्वनाथ ने अपने साहित्य दर्पण में उद्धृत किया है। यह नाटक महाभारत के वन पर्व में वर्णित भीम द्वारा द्रौपदी के लिए सुगंधित नीलकमल लाने की कथा पर आधारित है। वनवास के दौरान द्रौपदी द्वारा सौगन्धिक फूल की इच्छा करने पर भीम का उसे खोजने निकलना और गंधमादन पर्वत पर हनुमान से मिलना बताया गया है। नाटक व्यायोग शैली में निबद्ध है,जो संस्कृत नाट्यशास्त्र के दस रूपों में से एक है ।इसमें वीरता या संघर्ष का चित्रण है। यह नाटक काव्यात्मक और नाटकीय तत्वों के संयोजन के लिए जाना जाता है, जिसमें भीम और हनुमान के बीच का संवाद विशेष उल्लेखनीय है। प्रस्तुति में भीम और हनुमान के प्रसंग के माध्यम से आत्मसंयम, विनय और धर्म का प्रभावी संदेश दिया गया। पौराणिक कथा पर आधारित नाटक ने दर्शकों को संदेश दिया कि सच्चा पराक्रम केवल शक्ति में नहीं, बल्कि संयमित और विवेकपूर्ण आचरण में निहित है।

कथा के अनुसार वनवास के दौरान पाण्डवों के आश्रम में वायु द्वारा लाया गया दिव्य सौगन्धिक पुष्प द्रौपदी को प्राप्त होता है। पुष्प की अलौकिक सुगंध से प्रभावित होकर द्रौपदी ऐसे और पुष्पों की इच्छा प्रकट करती हैं, जिसे पूर्ण करने हेतु भीम गन्धमादन वन की ओर प्रस्थान करते हैं। एकाग्र भाव से लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भीम अपनी अपार शक्ति के कारण वन और पर्वतीय क्षेत्र में हलचल उत्पन्न कर देते हैं। जिससे वहाँ के जीव-जन्तु भयभीत हो उठते हैं। इसी क्रम में मार्ग में वृद्ध वानर रूप में उपस्थित हनुमान उनसे संवाद करते हैं। उन्हें संयम, विनय तथा धर्म का महत्व समझाते हैं। हनुमान की पूँछ हटाने में असफल रहने पर भीम का अहंकार दूर होता है। वे विनम्र होकर क्षमा याचना करते हैं। इसके पश्चात हनुमान अपने दिव्य स्वरूप का दर्शन कराकर भीम को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। अंततः कुबेर प्रकट होकर भीम की भक्ति और धर्मनिष्ठ उद्देश्य से प्रसन्न होकर उन्हें सौगन्धिक पुष्प प्रदान करते हैं। प्रस्तुति का मूल संदेश यही है कि वास्तविक पराक्रम वही है, जिसमें बल के साथ विनय, विवेक और आत्मसंयम का समन्वय हो। सम्राट विक्रमादित्य शोध संस्थान, मप्र शासन संस्कृति विभाग एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय नाट्य समारोह की समापन संध्या कालिदास अकादमी के पंडित सूर्य नारायण व्यास संकुल के मंच पर कलाकारों का स्वागत सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य राजेश सिंह कुशवाह, पंकज चांदोरकर आदि ने किया। संचालन कवि दिनेश दिग्गज ने किया।

वल्लभ भवन-सतपुड़ा एवं विंध्याचल में हाजिरी पर सख्ती

सीएम ने दिखाए सख्त तेवर, ऑफिस में नहीं रहने वाले कर्मचारियों-अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश के बाद राजधानी के तीन प्रमुख शासकीय कार्यालय (वल्लभ भवन, सतपुड़ा भवन और विंध्याचल भवन) में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर बड़ी कार्रवाई शुरू की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के अधिकारियों ने आज सुबह 10 बजे सभी प्रमुख विभागों के कार्यालय में जाकर उपस्थिति रजिस्टर चेक किए। वहीं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी ऐसा करने को कहा। इन कार्यालयों में कौन अधिकारी-कर्मचारी कब पहुंचा और कब वापस गया, इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। सीएम के निर्देशों के अनुसार अधिकारियों-कर्मचारियों की आवाजाही पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक विशेष निगरानी रखी जा रही है, जबकि उपस्थिति संबंधी जानकारी सुबह 10 से शाम 6 बजे तक संकलित की जाएगी।

पारदर्शी प्रशासन पर जोर

राज्य सरकार का कहना है कि जनता की सुविधा और पारदर्शी प्रशासन सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को पूर्ण जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा।

सीएम और मुख्य सचिव दौरे पर, फिर भी सख्ती

बताया गया है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्तमान में भोपाल से बाहर दौरे पर हैं। इसके बावजूद मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्यमंत्री सचिवालय और सामान्य प्रशासन विभाग को सभी संबंधित दफ्तरों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति, आने-जाने का समय और अनाधिकृत अनुपस्थिति की जानकारी एकत्र करने के आदेश दिए गए हैं।सामान्य प्रशासन विभाग की टीमें तीनों भवनों में तैनात होकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

समय पालन पर मुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं और आम जनता से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक सभी अधिकारी और कर्मचारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने संदेश दिया है कि यदि समय पालन में कोताही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम प्रसंग के चलते हुई थी हत्या

पुराने प्रेमी को जंगल में लेकर गई थी महिला और नए प्रेमी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल (नप्र)। एक महिला की खूनी साजिश का पर्दाफाश हो गया है। भेल स्पोर्ट्स क्लब के जंगल में 46 वर्षीय ताराचंद पटेल का शव मिला था। अब मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। ताराचंद पटेल की हत्या उसकी प्रेमिका ने करवाई थी। इस हत्याकांड को अंजाम महिला के नए प्रेमी ने दिया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

संबंध बनाने के लिए बुलाया- दरअसल, महिला ने अपने पूर्व प्रेमी ताराचंद पटेल को संबंध बनाने के लिए बुलाया। इसके बाद भेल स्पोर्ट्स क्लब के जंगल में ले गई। जंगल में ही दोनों संबंध बना रहे थे। इस दौरान वहां भेल क्लब का चौकीदार कृष्णपाल यादव यहां पहुंचा और ताराचंद पटेल के सिर पर डंडे से वार कर दिया। इसके बाद महिला भी चौकीदार के साथ मिल गई और चाकू से चेहरे और गले पर वार कर हत्या कर दी।

21 फरवरी को मिला था शव- भोपाल पुलिस ने बताया कि 21 फरवरी को भोपाल स्पोर्ट्स क्लब के गार्ड ने एक शव पड़े होने की सूचना दी थी। मृतक के परिजनों ने विदिशा की रानी अहिरवार के साथ उसके संबंध की जानकारी दी थी। ताराचंद के साथ उसका अफेयर चल रहा था। वह उसकी आर्थिक मदद भी करता था। महिला गार्ड और मजदूरी का काम करती थी।

चौकीदार से हो गई दोस्ती- इसी दौरान महिला की दोस्ती कृष्णपाल यादव से हो गई। दोनों के बीच प्रेम संबंध बने। इस बीच उसका ताराचंद से झगड़ा होने लगा। फिर कृष्णपाल यादव के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। फिर ताराचंद को उसने जिंसी चौराहे पर बुलाया और कहा कि भेल स्पोर्ट्स क्लब के जंगल में चलते हैं, वहां संबंध बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बालाकोट एयर स्ट्राइक की 7वीं वर्षगांठ पर वायुसेना के शौर्य को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाकोट एयर स्ट्राइक की 7वीं वर्षगांठ पर भारतीय वायुसेना के अद्वितीय साहस, शौर्य एवं पराक्रम को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत के वीर जवानों ने अपनी बहादुरी से मातृभूमि के स्वाभिमान को अक्षुण्ण बनाए रखा है। हमारे शूरवीर जवानों पर सभी देशवासियों को सदैव गर्व रहेगा।

सीएम ने पीएम मोदी के इजरायली संसद में सम्मान पर किया अभिनंदन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इज़रायली संसद द्वारा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' मेडल से सम्मानित करने पर उनका अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह संपूर्ण भारत के लिए बेहद गौरवशाली क्षण हैं। इजरायली संसद से मिला यह सम्मान नए भारत की वैश्विक पहचान, विश्वास और बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। करीब 9 साल बाद उनकी इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू से भेंट कर दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वकील और समाज सुधारक स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मातृभूमि की सेवा के लिए समर्पित और संकल्पित वीर सावरकर का जीवन युगों-युगों तक युवाओं को प्रेरित करता रहेगा।

भोपाल-इंदौर समेत 28 जिलों में पारा 30 डिग्री के पार

प्रदेश में ओले-बारिश का दौर थमा, 2 मार्च से नए सिस्टम का असर रहेगा

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में आंधी, बारिश और ओले का दौर थमने के बाद गर्मी का असर बढ़ा है। बुधवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश के 28 जिलों में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार पहुंच गया। मौसम विभाग की माने तो 2 मार्च से नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इसके असर से कुछ जिलों में बारिश होने का अनुमान है। बता दें कि इस बार फरवरी में मौसम का मिजाज चार बार बदला है। शुरुआत में ही प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का दौर रह चुका है। इससे फसलों को खासा नुकसान हुआ था। इसके बाद सरकार ने प्रभावित फसलों का सर्वे भी कराया था। 18 फरवरी से तीसरी बार प्रदेश भीग गया है। 19, 20 और 21 फरवरी को भी असर रहा। फिर चौथी बार 23-24 फरवरी को भी ओले-बारिश का दौर रहा।

इन जिलों में गर्मी का असर रहा- बुधवार को कुछ जिलों में बादल छाए रहे, बाकी में मौसम साफ रहा। इससे दिन में गर्मी का असर बढ़ गया। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, बैतूल, दतिया, धार, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, रतलाम, श्योपुर, शाजापुर, राजगढ़, दमोह, खजुराहो, मंडला, नरसिंहपुर, नौगांव, सागर, सतना, सिवनी, सीधी, टीकमगढ़, उमरिया समेत 28 जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री या इससे अधिक रहा।

पुलिस ने पति का ई-रिक्शा रोका, पत्नी ने खाया जहर

भोपाल में सड़क पर भिड़ गया युवक, बचने कंट्रोल रूम में छिपे पुलिसकर्मी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में दो पुलिसकर्मियों ने ई रिक्शा चालक युवक से बदसलूकी की तो उसकी पत्नी ने जहर खा लिया। गुस्साए युवक ने सड़क के बीच में ही रिक्शा पार्क कर दिया, जिससे जाम के हालत बन गए। फिर पुलिसकर्मियों से भिड़ गया। खूब खरी-खोटी सुनाई। उनकी बाइक पलट दी।

इसके बाद दोनों पुलिसकर्मी भागकर पुराने कंट्रोल रूम में घुस गए। रिक्शाचालक भी पीछे-पीछे वहां पहुंच गया। इस बीच उसकी पत्नी रिक्शा में ही तड़पती रही। अन्य पुलिसकर्मियों की समझाइश पर युवक पत्नी को रिक्शा से ही अस्पताल लेकर रवाना हो गया। घटना भोपाल के पुराने पुलिस कंट्रोल रूम तिराहे पर गुरुवार दोपहर करीब दो बजे की है।

थाने चलने की धमकी दी तो खाई चूहामार दवा

रिक्शाचालक का नाम नवल कुशवाह उर्फ राहुल है। वह बरखेड़ी का रहने वाला है। उसने कहा कि वह पत्नी पूजा के साथ पर्सनल काम से मार्केट जा रहा था। इसी बीच पुराना कंट्रोल रूम तिराहा पर पुलिस ने उसके रिक्शा को रोक लिया। सिग्नल तोड़ने का आरोप लगाया। विरोध किया तो दस्तावेज दिखाने की बात कही। एक पुलिसकर्मी ने उससे झूमाझटकी भी की। थाने चलने की धमकी दी। इससे घबराई पूजा ने पर्स में रखी चूहामार दवा खा ली।

भोपाल में रजक समाज का बड़ा प्रदर्शन

तीन जिलों में एससी, बाकी 52 में ओबीसी दर्जा, क्षेत्रीय बंधन हटाने की मांग तेज

भोपाल (नप्र)। संयुक्त मोर्चा रजक समाज के नेतृत्व में गुरुवार को राजधानी में आयोजित आंदोलन में बड़ी संख्या में समाज के लोग जुटे। सभा स्थल पर धरना-प्रदर्शन के दौरान पदाधिकारियों ने साफ कहा कि जब तक मुख्यमंत्री स्वयं आकर समाज की बात नहीं सुनेंगे, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने एहतियातन बैरिकेडिंग कर दी है। दोपहर बाद सीएम हाउस कूच की भी चेतावनी दी गई है।

एक प्रदेश में दो तरह का आरक्षण अन्याय- संयुक्त मोर्चा के वरिष्ठ संयोजक कैलाश नाहर ने कहा कि मध्यप्रदेश में रजक समाज को केवल तीन जिलों भोपाल, सीहोर और रायसेन में अनुसूचित जाति का दर्जा मिला है, जबकि बाकी 52 जिलों में यही समाज ओबीसी में रखा गया है। उन्होंने कहा, हम लगातार राज्य शासन से मांग कर रहे हैं कि जिस तरह तीन जिलों में एससी का दर्जा है, उसी तरह पूरे प्रदेश में लागू किया जाए। एक ही समाज के साथ अलग-अलग जिलों में अलग आरक्षण व्यवस्था सामाजिक अन्याय है।

नाहर ने बताया कि समाज ने अपनी मांग को लेकर 400 से 500 किलोमीटर तक की पैदल यात्राएं कीं। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री निवास भी पहुंचा, जहां ओएसडी से मुलाकात कर मांगें रखीं, लेकिन ठोस निर्णय अब तक नहीं हुआ। उन्होंने दो टूक कहा, इस बार बिना मुख्यमंत्री की अनुमति

और ठोस आश्वासन के हम यहां से नहीं उठेंगे। जब तक मुख्यमंत्री यहां नहीं आएंगे, आंदोलन जारी रहेगा।

क्षेत्रीय बंधन हटे, 70-75 साल का संघर्ष- युवा प्रदेश संयोजक मोनू लक्ष्मण रजक ने कहा कि समाज की मुख्य मांग क्षेत्रीय बंधन हटाने की है। उन्होंने कहा, कहने को देश आजाद है, लेकिन रजक समाज आज भी बंधनों में जकड़ा हुआ महसूस करता है। हमारी श्रेणी अनुसूचित जाति में आती है, लेकिन सरकार ने क्षेत्रीय बंधन लगा रखा है। इसी बंधन को हटाना हमारी सबसे बड़ी मांग है।

मोनू ने कहा कि यह संघर्ष आज का नहीं है, बल्कि करीब 70-75 वर्षों से समाज के वरिष्ठजन लड़ते आ रहे हैं और युवा पीढ़ी भी उसी लड़ाई को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया, लेकिन समाज को समय नहीं दिया गया। हम शांतिपूर्ण तरीके से यहां एकत्र हुए हैं। प्रशासन बाहर मौजूद है, बैरिकेड लगाए गए हैं। लेकिन अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो आंदोलन का स्वरूप बड़ा हो सकता है।

बुर्का पहनी महिला पर मांस फेंकने का आरोप

खून लगे ग्लव्स वाला वीडियो सामने आया, व्यापारियों ने घेरा, हिंदू संगठन भी आए सामने

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लोहा बाजार और लखेरा बाजार में गुरुवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब व्यापारियों ने एक बुर्का पहने महिला को दुकानों के सामने मांस के टुकड़े फेंकने के आरोप में रोक लिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें महिला के हाथों में पहने ग्लव्स पर खून जैसे लाल निशान दिखाई दे रहे हैं।

व्यापारियों का आरोप है कि महिला पिछले एक-दो महीने से बाजार क्षेत्र में, जहां मंदिर और जैन मंदिर स्थित हैं, वहां मांस के टुकड़े डाल रही थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं।

वीडियो में क्या दिख रहा है?- वीडियो में कुछ व्यापारी एक बुर्के वाली महिला से बहस करते नजर आते हैं। कैमरे में महिला के हाथों में पहने ग्लव्स पर लाल रंग के धब्बे साफ दिखाई देते हैं, जिन्हें व्यापारी मांस का खून बता रहे हैं। वीडियो में व्यापारी महिला से एनजीओ का नाम पूछते हैं। महिला खुद को एक एनजीओ से जुड़ा बताती है और कहती है कि वह कुत्तों को खाना खिला रही थी।

बहस के दौरान 112 नंबर पर कॉल करने की बात भी कही जाती है। कुछ लोग महिला की गाड़ी की चाबी अपने पास रखने की बात करते सुनाई देते हैं और कहते

हैं कि पहले थाने चलकर बात होगी। मौके पर भीड़ भी जुटती दिखाई देती है और दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक होती है।

व्यापारी बोले-दुकानों के आगे फेंके जा रहे थे मांस के टुकड़े

लोहा बाजार के व्यापारी प्रतीक ने बताया कि उन्होंने महिला को समझाइश दी कि बाजार क्षेत्र और मंदिरों के आसपास इस तरह की गतिविधि से विवाद की स्थिति बन सकती है। उनका आरोप है कि महिला के दस्तानों पर खून के निशान थे और उसकी गाड़ी से मांस जैसा पदार्थ मिला। व्यापारियों का कहना है कि कई बार मना करने के बावजूद यह सिलसिला जारी था। घटना के दौरान महिला की कार की चाबी भी व्यापारियों द्वारा रोक ली गई, जिसका जिक्र वायरल वीडियो में सुनाई देता है।

कुत्तों को खिला रहे थे, आगे से ध्यान रखेंगे

वीडियो में महिला खुद को एक एनजीओ से जुड़ा बता रही है और कहती सुनाई दे रही है कि वह कुत्तों को खाना खिलाने के लिए मांस डाल रही थी। महिला ने मौके पर माफी मांगने और आगे से ध्यान रखने की बात भी कही। वीडियो में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है, जिसमें 112 नंबर पर पुलिस बुलाने की बात भी कही जाती है।

ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग

मामले को लेकर हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने थाना कोतवाली पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि पुराने भोपाल के बाजार क्षेत्र में दुकानों और मंदिरों के सामने मांस के टुकड़े फेंके जाने से व्यापारियों में आक्रोश है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जैन मंदिर और शिव मंदिर स्थित हैं, जहां श्रद्धालुओं की आवाजाही रहती है। ऐसे में इस तरह की गतिविधियों से धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचती है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में ज्ञापन देकर संबंधित महिलाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

दोनों ओर से शिकायत, जांच के बाद होगी कार्रवाई

भोपाल पुलिस के अंतर्गत कोतवाली थाने के टीआई काशीराम कुशवाह ने बताया कि संबंधित महिला को पूर्व में भी समझाइश दी जा चुकी है। इस बार भी विवाद की स्थिति बनी है। उन्होंने कहा कि महिला और हिंदू संगठन, दोनों पक्षों की ओर से शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

भोपाल की शराब दुकान की जांच करने पहुंचेगी टीम

लोगों ने की थी मानव अधिकार आयोग से शिकायत ; मंदिर से 50 मीटर से भी कम दूरी

भोपाल (नप्र)। मानव अधिकार आयोग की फटकार के बाद गुरुवार को भोपाल के अरेरा कॉलोनी स्थित शराब दुकान के निरीक्षण के लिए जिला प्रशासन की चार सदस्यी टीम पहुंचेगी। इस दुकान की मंदिर से दूरी 50 मीटर से भी कम है। इसे लेकर रहवासी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आयोग ने कलेक्टर को 20 मार्च तक ठोस कार्रवाई करने को कहा है। फरवरी में ही आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो शराब दुकान का निरीक्षण भी कर चुके हैं। रहवासियों ने आयोग से शिकायत की थी। उनका कहना है कि पिछले 1 साल से वे इसका विरोध कर रहे हैं। मामले में आयोग ने सख्त रूख अपनाते हुए भोपाल कलेक्टर को चार सप्ताह के भीतर ठोस कार्रवाई कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। साथ ही चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होने की स्थिति में मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 13 के अंतर्गत आयोग भोपाल कलेक्टर पर सख्त कार्रवाई करेगा।

इसके बाद जिला प्रशासन की चार सदस्यीय टीम बनाई गई है। यही टीम गुरुवार को मौके पर पहुंचेगी और जांच करेगी। मंदिर के पास में ही है शराब दुकान। आयोग सदस्य प्रियंक कानूनगो निरीक्षण कर चुके हैं।

हॉस्पिटल के भी पास में है शराब दुकान

रहवासी विवेक त्रिपाठी ने बताया कि अरेरा कॉलोनी जैसे आवासीय क्षेत्र में आर्य समाज मंदिर से लगभग 50 मीटर से भी कम दूरी पर और अनुश्री चिल्ड्रन हॉस्पिटल के समीप शराब दुकान का संचालन आबकारी नीति का खुला उल्लंघन है। अरेरा कॉलोनी के लोग लगातार इस दुकान से उत्पन्न सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी, महिलाओं की असुरक्षा और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों में वृद्धि की शिकायतें कर रहे हैं।

रहवासी लवनीश भाटी ने कहा कि यह केवल एक शराब दुकान का मुद्दा नहीं है, बल्कि अरेरा कॉलोनी रहवासियों के मानवाधिकार, महिलाओं की सुरक्षा, धार्मिक आस्था और कानून के शासन का प्रश्न है। उन्होंने मांग की है कि अवैध आवंटन और संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। वहीं, यहां से दुकान अन्य जगह पर शिफ्ट हो।

ज्योतिषाचार्य बोले-होली की तारीख को लेकर भ्रम न रखें

भोपाल (नप्र)। चंद्रग्रहण के कारण होलिका दहन और रंगोत्सव को लेकर बनी असमंजस की स्थिति पर पंचांगकर्ताओं और ज्योतिषियों ने विराम लगा दिया है। ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा बुधवार को आयोजित वेब संगोष्ठी में देशभर के पंचांगकर्ताओं और ज्योतिषियों ने सर्वसम्मति से 2 मार्च की रात में होलिका दहन और 4 मार्च को रंगोत्सव मनाने का निर्णय लिया है।

2 मार्च की रात पूर्णिमा तिथि रहेगी प्रभावी- विद्वानों ने बताया कि 2 मार्च की रात में पूर्णिमा तिथि पूरी रात विद्यमान रहेगी। शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन का कर्मकाल रात्रिकालीन होता है और पूर्णिमा तिथि में किया गया दहन ही श्रेष्ठ माना गया है।

प्रतिपदा में होलिका दहन वर्जित- धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु जैसे ग्रंथों का उल्लेख करते हुए विद्वानों ने स्पष्ट किया कि प्रतिपदा तिथि में होलिका दहन नहीं किया जाना चाहिए। चाहे भद्रा पुच्छकाल ही क्यों न हो, प्रतिपदा में किया गया दहन शास्त्र सम्मत नहीं माना जाता।

3 मार्च की रात ग्रहण और सूतक का प्रभाव- संगोष्ठी में यह भी बताया गया कि 3 मार्च की रात तक पूर्णिमा समाप्त होकर प्रतिपदा तिथि लग जाएगी। साथ ही उस दिन ग्रहण का सूतक प्रभावी रहेगा। शास्त्रों में ग्रहणकाल की रात को दूषित माना गया है, जिससे होलिका दहन अशुभ फल देने वाला माना जाता है।

धुलेंडी और चल समारोह होंगे प्रभावित- सामान्य परंपरा के अनुसार होलिका दहन के अगले दिन धुलेंडी और रंगोत्सव मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष ग्रहण के कारण यह क्रम प्रभावित होगा। इसी कारण रंगोत्सव और चल समारोह अगले दिन नहीं किए जा सकेंगे।

4 मार्च को मनाया जाएगा होली उत्सव- विद्वानों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि होलिका दहन के बाद होने वाला होली उत्सव, धुलेंडी और चल समारोह 4 मार्च को ही आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि शास्त्रीय नियमों का पूर्ण पालन हो सके।

देशभर के पंचांगकर्ताओं की सर्वसम्मति

संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि वेब संगोष्ठी में शामिल लगभग सभी पंचांगकर्ताओं और विद्वानों के बीच गहन तर्क-वितर्क हुआ। इसके बाद यह तय किया गया कि 2 मार्च की रात 2 बजे के बाद भद्रा पुच्छकाल समाप्त होने पर होलिका दहन किया जाएगा।

लोगों से भ्रम में न पड़ने की अपील

पंडित विनोद गौतम ने कहा कि पर्व की तिथियों को लेकर किसी भी तरह के भ्रम की आवश्यकता नहीं है। शास्त्र सम्मत निर्णय के अनुसार 2 मार्च को होलिका दहन और 4 मार्च को होली उत्सव मनाया जाए, यही सभी के लिए उचित और मंगलकारी रहेगा।

संपादकीय

'केरलम्': सियासी फैसला

बीते एक दशक में चाहे नाम बदलना हो, कोई बड़ा पुरस्कार देना हो या फिर बड़ा प्रोजेक्ट देना हो, फैसले चुनावों को ध्यान में रखकर ही किए जाते हैं। दक्षिणी राज्य केरल का नाम बदलकर 'केरलम्' करने को मोदी सरकार की मंजूरी इसी प्रवृत्ति का नवीनतम उदाहरण है। वैचारिक रूप धुर विरोधी वामपंथी सरकार के नाम परिवर्तन प्रस्ताव को केन्द्र सरकार द्वारा दो साल बाद स्वीकृति देना जनभावना के आदर के साथ- साथ वोट बैंक को भी न्यौता है। यही नहीं सरकार द्वारा लुटियंस दिल्ली के वास्तुशिल्पकार लुटियंस की राष्ट्रपति भवन में लगी प्रतिमा हटाकर वहां देश के पहले गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी की मूर्ति स्थापित करने का निर्णय भी इसी सोच का प्रतीक है। सरकार ने लुटियंस की प्रतिमा को गुलामी का प्रतीक माना। हालांकि लुटियंस ने अपने साथी हरबर्ट बेकर के साथ अंग्रेजों की राजधानी दिल्ली को जो भव्य और वैभवशाली इमारते दीं, वो बेमिसाल हैं। भले ही कोई उन्हें उपनिवेशवाद का प्रतीक मानें। क्योंकि लुटियंस ने इन इमारतों के जरिए ब्रिटिश सत्ता की दंबगता को भी पारिभाषित किया था। जहां तक केरल की बात है तो आधुनिक केरल राज्य का इतिहास भाषाई आंदोलन से जुड़ा है। पहले अंग्रेजों के जमाने में यह मद्रास प्रेसीडेंसी और त्रावनकोर एवं कोचीन रियासत में बंटा था। लेकिन आजादी के बाद भाषावार प्रांत रचना आंदोलन के बाद मलयाली भाषी केरल राज्य 1 नवंबर 1956 को अस्तित्व में आया। लेकिन इसका आधिकारिक नाम केरल ही रखा गया। जबकि राज्य का मलयालम में नाम 'केरलम्' ही है। केरल उसका अंग्रेजी रूप है। यही चलन में आया। ऐसे में राज्य की पी विजयन सरकार ने जून 2024 में केरल विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कराया, जिसमें कहा गया था कि राज्य की जनता अपनी भाषा में इसे केरलम् ही कहती है। इसलिए राज्य सरकार चाहती है कि संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत जरूरी संशोधन करके सभी आधिकारिक दस्तावेजों, कानूनी रिकॉर्ड और अंतरराष्ट्रीय संधियों में केरल को केरलम कर दिया जाए। चूंकि केरल में अगले दो तीन माह में चुनाव होने हैं, इसलिए मोदी सरकार ने वामपंथी सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। भाजपा को उम्मीद है कि यह फैसला राज्य में उसके अपने वोट बैंक को बढ़ाने में भी मदद करेगा। हालांकि राज्य का नाम बदलने की प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत आती है और यह काफी लंबी है। केरल विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव के बाद अब केंद्र सरकार एक विशिष्ट विधेयक तैयार करेगी, जिसे केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक कहा जा सकता है। नाम बदलने की सिफारिश के पूर्व राष्ट्रपति इस विधेयक को केरल विधानसभा के पास उनके विचार जानने के लिए भेजेंगे। राष्ट्रपति की सिफारिश के बाद यह विधेयक लोकसभा या राज्यसभा में पेश किया जाएगा। इसे साधारण बहुमत से पारित किया जा सकता है। संसद के दोनो सदनों से विधेयक पारित होने के बाद, विधेयक को राष्ट्रपति के पास अंतिम सहमति के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही इसे भारत के गजट में अधिसूचित किया जाएगा। ध्यान देने की बात यह है कि केन्द्र सरकार ने पूर्व में पश्चिम बंगाल का नाम बदलकर केवल बंगाल करने का ममता बैनर्जी का प्रस्ताव इस आधार पर ठुकरा दिया था कि इससे पड़ोसी बांग्लादेश और बंगाल को लेकर भ्रम होगा। जबकि बंगाल का तर्क वाजिब है कि जब पहले का पूर्व बंगाल अब बांग्लादेश बन चुका है तो भारतीय बंगाल को अब पश्चिम बंगाल कहने का क्या तुक है। लेकिन मोदी सरकार नाम बदलने का श्रेय ममता सरकार को नहीं लेने देना चाहती। संभव है कि यदि भविष्य में वहां भाजपा सरकार आए तो नाम बदला जाए। केरल भाजपा को यह खतरा दिखाई नहीं देता।

योद्धा की भांति लड़ते शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन बच्चों को मैं जानता नहीं, कभी देखा नहीं, कभी मिला नहीं और न वे हमारे गुरुकुल से कोई संबंध रखते हैं। यदि यह सही है तो इस प्रकार के षड्यंत्र के पीछे किसका दिमाग है यह समझना जरूरी है। भारत सरकार जो देश की इमेज बनाने हेतु वर्षों सघन प्रयत्न करती है, उसी देश में हमारे सनातन सभ्यता को मात देने के सफल प्रयास हो रहे हैं, यह चिंताजनक है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की एक बात सबसे अच्छी यह लगी कि वे इतने दबाव के बीच मीडिया के हर सवालों का ज़वाब देते रहे। उन्होंने पुलिस प्रशासन की कार्रवाइयों का स्वागत किया। यह कहा कि कोर्ट को शीघ्र सुनवाई करनी चाहिए। दोषी होने या दोषमुक्त होने में ताकि ज्यादा समय न लगे। वह एक योद्धा की भांति संघर्ष कर रहे हैं और गाय, गंगा व गरिमा के लिए अपनी आवाज़ को बुलंद किए हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जितनी बेबाकी से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर दिया वह प्रशंसकों के बीच पॉपुलर हो रहा है।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक एनएचआरसी (इण्डिया) में स्पेशल मॉनिटर व केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

शंकराचार्य का सत्य खोजने की पूरी कोशिश पूरे भारत में हो रही है। आरोप यह है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दो नाबालिग बच्चों के साथ यौन उत्पीड़न किया। सबसे अहम बात यह है कि इसे कोर्ट के माध्यम से पंजीकृत किया गया और जांच भी शुरू हो गई। भारत में यह एक बड़ा लांछन स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर लगाने की कोशिश आशुतोष पाण्डेय ने किया जिन्हें आशुतोष ब्रह्मचारी के नाम से प्रसिद्धि मिली है। यदि इस देश में संतों, संन्यासियों और धर्माचार्यों के मध्य इस प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं तो इस देश का बहुत पतित सा दिन दस्तक दे चुका है, यह तो तय है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने स्पष्ट किया कि उन बच्चों को मैं जानता नहीं, कभी देखा नहीं, कभी मिला नहीं और न वे हमारे गुरुकुल से कोई संबंध रखते हैं। यदि यह सही है तो इस प्रकार के षड्यंत्र के पीछे किसका दिमाग है यह समझना जरूरी है। भारत सरकार जो देश की इमेज बनाने हेतु वर्षों सघन प्रयत्न करती है, उसी देश में हमारे सनातन सभ्यता को मात देने के सफल प्रयास हो रहे हैं, यह चिंताजनक है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की एक बात सबसे अच्छी यह लगी कि वे इतने दबाव के बीच मीडिया के हर सवालों का ज़वाब देते रहे। उन्होंने पुलिस प्रशासन की कार्रवाइयों का स्वागत किया। यह कहा कि कोर्ट को शीघ्र सुनवाई करनी चाहिए। दोषी होने या दोषमुक्त होने में ताकि ज्यादा समय न लगे। वह एक योद्धा की भांति संघर्ष कर रहे हैं और गाय, गंगा व गरिमा के लिए अपनी आवाज़ को बुलंद किए हुए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जितनी बेबाकी से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर दिया वह प्रशंसकों के बीच पॉपुलर हो रहा है।

भारत की भोली-भाली जनता भले षड्यंत्रकारियों को बेवकूफ लगे लेकिन यह सच है कि जनता सब जानती है। वह गलत भी जानती है और सही भी जानती है। सीडी का दबाव बनाकर शंकराचार्य को दबाने की पुरजोर कोशिश ने भारतीय मानस में यह संदेश दिया है कि इस देश में कुछ भी हो सकता है। किसी के भी खिलाफ माहौल बनाया जा सकता है। उसके दोष तो सिद्ध हों या न हों लेकिन बदनामी से तो व्यक्ति या कोई धर्माचार्य बच ही नहीं सकता है। इस बार अब कोर्ट की भी इस केस में परीक्षा होने वाली है कि उसके भीतर पूर्वाग्रह हैं या नहीं। कोर्ट निरपेक्ष है कि नहीं। कोर्ट में भी न्याय है कि नहीं। यदि दोष सिद्ध नहीं हुए तो वह षड्यंत्रकारियों के खिलाफ क्या एक्शन ले रही है, इन सबका मूल्यांकन होने वाला है।

इस समय देश को अब हिन्दू धर्म, सनातन धर्म के भी संक्रमण काल को समझने का अवसर मिला है। इस देश की प्राच्य प्रतिष्ठा और शंकराचार्यों की उपस्थिति में भारत के वैभव को बचाने की ज़रूरत शायद धुँधली पड़ती जा रही है। यदि राजनीति की बलि धर्म व धर्माचार्यों को चढ़ाने की कोशिशें हुईं तो यह देश कदापि अपने मूलस्वरूप में नहीं बचेगा। भारत केवल राजनीतिक देश नहीं है। यह एक आध्यात्मिक व सांस्कृतिक देश भी है। यह शाश्वत चिंतनशील देश है। यह चिंतन भारतीय ऋषि परंपराओं में विद्यमान रहा है। लेकिन शंकराचार्य ले इस केस को समझते हुए पता नहीं क्यों ऐसा लगने लगा है कि इस पूरे प्रकरण के पीछे बहुत बड़ी साजिश है। कोई धर्माचार्य है वह इसलिए कुमार्गी नहीं होगा, यह नहीं कहा जा सकता लेकिन यदि गंगा स्नान के समय जिस दिन शंकराचार्य पूरी मीडिया के सामने संघर्ष करते हुए दिखाई देते हैं। वह पूरे समय अनशन पर होते हैं। उसी दौरान दो ब्राह्मण बटुकों के यौन उत्पीड़न की पटकथा काफी संशय पैदा करती है। सोचने वाली बात तो यह है कि उस दौरान विकृत मानसिकता वाले भी व्यक्ति होगा तो वह उस हालात में कभी यौन हिंसा नहीं कर सकेगा। फिर शंकराचार्य जो कि साहित्य, संस्कृति, संस्कार और अपनी विरासत के लिए जीते रहे हैं लय उनकी मानसिकता को इतना विकृत कहा जा रहा है, वह व्यवहारिक रूप से भारत की जनता स्वीकार नहीं पा रही है।

अब इस बीच मीडिया ट्रायल ने भी हद कर दिया है। देश के सभी चैनल यह कोशिश कर रहे हैं कि शंकराचार्य उनके प्रश्नों का जवाब दें। शंकराचार्य कुछ ऐसा बोलें जिससे टीआरपी उनकी अच्छी हो जाये। यह मीडिया सच में कभी कभी असंवेदनशील ही लगती है। कोरोना के समय में मीडिया ने बहुत से लोगों के बीच इतना संशय पैदा किया कि बहुत से लोगों ने अपनी जान गंवा दी। अब मीडिया सेंसेशन जो शंकराचार्य जी के केस को लेकर देखने को मिल रहा है उससे यह पता व्हॉट है कि टीआरपी भूखी मीडिया का अपना कोई स्तर बचा ही नहीं है। झूठ, कुछ झूठ-कुछ सच, पूरा सफेद झूठ, अर्ध सत्य और पूरी तरह से शंकराचार्य के विरोध में क्या से क्या परोसा जा रहा है, यह तो केस के अंतिम आकार पाने पर ही तय होगा लेकिन यह इतने बेशर्म मीडिया तंत्र का स्ट्रक्चर है जिसे कभी अफसोस नहीं होता और न ही इन्हें शर्म आती है।

माने या न माने देश की आज की बौद्धिकता, उसकी मौलिकता और उसके चिंतन को ऐसी घटनाएं सीधे चुनौती देती हैं और इसमें वे सभी शामिल होते हैं जो बहुत सफाई से निकल जाते हैं। जो बहुत ही सफाई से अपने अच्छे मुखौटे के साथ देश में बने रहते हैं। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य खंगालने पर कई प्रकरण दिमाग चकरा देते हैं कि वास्तव में जो इतने यश के साथ हमारे समक्ष खड़े हैं वे तो कुछ और ही कर रहे थे। आज का दौर इस बात के मूल्यांकन की मांग कर रहा है कि हम अपने भारत को बचा लें। अपनी विरासत को गंदे विमर्शों में जाने से बचाएं। अपने देश की प्रतिष्ठा को धूलधूसरित करने वालों की पहचान करें और सत्य का उद्घाटन करने से न बचें।

अपने समय के साथ अपनी उपस्थिति बनाना गलत नहीं होता। इतने वर्षों से अपनी साभ्यतिक लड़ाई लड़ने के लिए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जाने जाते हैं। यदि आज उन पर इस तरह का किस्सा गढ़ा जा रहा है और उस पर देश में चटकारे लेकर चर्चाएं हो रही हैं तो लोग यह समझते हैं कि शंकराचार्य के मुखर होने के कारण यह सब हो रहा है। गंगा, गाय और मांस निर्यात के खिलाफ ऐसे हज़ारों वक्तव्य शंकराचार्य को अपनी अलग मुखर आवाज के साथ प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में भले ही यह लगे कि शंकराचार्य दोषी हैं तो तो इस पर विश्वास कोई करने को मानसिक रूप से तैयार भी नहीं है। अब शंकराचार्य की एकजुटता भी इस समय एक नए विमर्श को जन्म देने जा रही है।

क्या ट्रम्प होंगे अमेरिका के सबसे विवादित राष्ट्रपति?

विश्व राजनीति

ऋतुपर्ण दवे

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

न्याय तो न्याय होता है फिर वो अपनों के लिए हो या गैरों के लिए। लेकिन ट्रम्प को यह भी नागवार गुजरा जब वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। दरअसल अमरीका में सुप्रीम कोर्ट में अदालतों की नियुक्ति वहां के राष्ट्रपति करते हैं जो कि आजीवन या जब तक जज सक्षम, स्वस्थ और सक्रिय रहें तब तक के लिए होती है। अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प के पहले कार्यकाल के नियुक्त तीन जज थे जिनसे ट्रम्प पूरे भरोसे में थे इतने कि उन्हें अपनी जागीर समझ बैठे। फैसला उनके खिलाफ भला कैसे जाएगा? लेकिन वो ये भूल गए कि जजों ने न्याय करने की शपथ ली थी न ट्रम्प के हितों की रक्षा की। फैसला आते ही उन्होंने जिन शब्दों में सुप्रीम कोर्ट और खिलाफ फैसला देने वाले जजों पर आरोप लगाए तो निश्चित रूप से अमेरिका की पूरी न्याय प्रणाली पर कटाक्ष था जो बेहद निंदनीय है। इसी तरह हालिया भारत-पाक युद्ध को रोकने को लेकर अनगिनत बार एकतरफा बोलने वाले ट्रम्प इस बार तो इतना कह गए यदि वो दोनों का परमाणु युद्ध नहीं रुकवाते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती। वाकई ट्रम्प, ट्रम्प ही हैं और वो अमरीका के राष्ट्रपति कम कई बार राष्ट्रविद्रोही की भूमिका में नजर आने लगते हैं।

दुनिया भर में इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इसे असंवैधानिक करार दिया। इसमें ट्रम्प के नियुक्त जजों ने भी अहम भूमिका निभाई। 6-3 के बहुमत से ट्रम्प टैरिफ को असंवैधानिक करार देते हुए 1977 के आईईईपीए कानून यानी 'अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम' (इंटरनेशनल इमरजेंसी इकॉनामिक पॉवर ऐक्ट) का हवाला दिया। यह वो अमेरिकी कानून है जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान विदेशी खतरों से निपटने के लिए आर्थिक लेनदेन, आयात-निर्यात और संपत्ति को विनियमित करने का अधिकार देता है। जबकि अमरीका में ऐसी स्थिति नहीं है। बिना कांग्रेस की सहमति लिए जिद्दी ट्रम्प ने दुनिया भर में मनमाने

टैरिफ ठोंक दिया, भारत भी अछूता नहीं रहा।

फैसला आते ही कुछ देर में ट्रम्प ने प्रेस कांफ्रेंस की जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रम्प के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है, कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही है जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रम्प की साख गिरी है न कि अमरीकी सुप्रीम अदालत की।

मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के साथ बहुमत में न्यायाधीश नील गोरसच और एमी कोनी बैरेट भी शामिल थे। इनकी नियुक्ति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में की थी। सहमति जताने वालों में न्यायाधीश क्लेरेंस थामस, सैमुअल एलिटो और ब्रेट कैवना थे जिनमें कैवना को ट्रंप ने नियुक्त किया था। इन्होंने असहमति मत में लिखा कि वास्तव में टैरिफ आयात को नियंत्रित करने का पारंपरिक और सामान्य उपकरण है तथा आइईईपीए का पाठ, इतिहास तथा पूर्व की तमाम मिसालें प्रशासन के पक्ष का समर्थन करती हैं। जज कैवना ने चेतावनी दी कि इस निर्णय से चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है। हालांकि फैसले में यह साफ नहीं है कि कंपनियों को उन अरबों डॉलर का रिफंड मिलेगा या नहीं, जो दिसंबर 2025 तक ही अमरीकी खजाने में करीब 133 अरब डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं। इनमें कुछ कंपनियां पहले ही निचली अदालतों में रिफंड का दावा पेश कर चुकी हैं।

निश्चित रूप से ट्रम्प की स्थिति बहुत मजाक वाली हो गई है। कहीं न कहीं वो हाशिए पर भी हैं। ट्रम्प की खिसियाहट इसी से समझ आती है कि एक तो उन्होंने अदालत को भला बुरा कह कर दुनिया को चौंकाया और यहां तक कि उनके द्वारा नियुक्त विरोध में फैसले देने वाले न्यायाधीशों को देश द्रोही और परिवार में कैसे मुंह दिखाएंगे तक कह दिया।

लगता है कि ट्रम्प को न्याय में विश्वास नहीं है और देर-सबेर अमरीका में यह मांग भी उठेगी कि भारत सहित तमाम देशों की न्याय पालिका के सम्मान वाली साफ और निष्पक्ष व्यवस्था अमरीका में भी हो जिससे नियुक्त न्यायाधीश बिना किसी के दबाव में न्याय हित में काम कर सकें। हाँ, ट्रम्प का एक और सुन्दर सपना टूट जरूर गया है लेकिन ट्रम्प और विवादों का चोली-दामन का रिश्ता कब क्या, कैसा कुछ नया कर दे, कोई नहीं जानता। फिलाहाल ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ लगाकर, जब चाहें तब बदलकर अपने ही देश की सर्वोच्च अदालत को एक तरह से चुनौती दे डाली। इससे पहले शांति के नोबल पुरुस्कार न मिलने पर उनकी हरकतों को दुनिया ने देखा। यह सब उनके पद और गरिमा को देखकर अनुकूल नहीं था। लगता है वो अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति जरूर बनने की ओर हैं जो सबसे विवादित, सनकी, नासमझ और तानाशाह कहलाएंगे। बहरहाल ऐसे खिसियाए ट्रम्प को देखकर लोग यही कह रहे हैं 'जिन्हें हम हार समझे थे गले अपने लगाने को वही काले नाग बन बैठे हमें ही काट खाने को।'

देशी एआई और देशी गाय

कटाक्ष

चंदन यादव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ये तब की बात है जब भारत एआई में भी विश्व गुरु बन गया है। इससे कम बनने का तो प्रश्न ही नहीं था। मैंने एआई से पूछा, 'गाय के बारे में बताएं।' उसने जवाब दिया, 'आपने बहुत बुद्धिमतापूर्ण प्रश्न पूछा है। कृपया बताएं कि आपको कहाँ की गाय की जानकारी चाहिए?' मैंने पूछा, 'क्षमा कीजिए, मैं आपके प्रश्न का मतलब नहीं समझा।' एआई बोला, 'मेरे कहने का आशय यह है कि गाय अमेरिका, चीन, रूस, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल आदि देशों में भी है। आपको किस देश की गाय के बारे में जानना है?'

'अच्छा। मैं भारत का बंदा हूँ तो जाहिर है यहीं की गाय की बाबत अपना इल्म बढ़ाना चाहता हूँ।' मैंने अपना सवाल स्पष्ट किया तो एआई नाराज़ हो गया। बोला, 'आप ये कैसी अशुद्ध भाषा बोल रहे हैं। हिन्दी नहीं जानते क्या। आगे से ध्यान रखिए।'

मैंने कहा, 'मुझे जूते पालिश करने हैं। कृपया जल्दी से भारत की गाय के बारे में बता दीजिए।' 'ओह तो आप अछूत हैं। तभी ऐसी भाषा बोल रहे हैं। आप अपना ज्ञान बढ़ाकर क्या करेंगे?' एआई रूखे स्वर में बोला। अब तक मुझे भी गुस्सा आ गया था। मैंने कहा, 'भारत में छुआछूत खत्म कर दी गई है। क्या तुझे संविधान और लोकतंत्र के बारे में जानकारी नहीं है।' 'रुष्ट ना हों। प्रतीक्षा कीजिए, मैं पहले लोकतंत्र और संविधान के बारे में पता कर लूँ , फिर गाय के बारे में बताता हूँ।' एआई पर खोज का आइकॉन घूमने लगा। खोज पूरी करके एआई बोला, 'लोकतंत्र' और 'संविधान' शब्द मेरी काली सूची में दर्ज हैं। इन पर बात करना वर्जित है। कृपया इसके सिवा कुछ और पूछिए।' मैंने कहा, 'मुझे गाय के बारे में जानना है।' 'आपने बहुत बुद्धिमतापूर्ण प्रश्न पूछा है। कृपया बताएं कि आपको कहाँ की गाय की जानकारी चाहिए?' एआई ने पूछा। इस बार फिर से पूरी प्रक्रिया से गुजरते हुए मैं और एआई 'भारत' की गाय पर आए। एआई ने मुझसे पूछा, 'आपको उत्तर भारत की गाय के बारे में जानना है या दक्षिण भारत की?' मैंने कहा, उत्तर भारत की। एआई ने फिर पूछा, 'देशी गाय के बारे में बताऊँ कि जर्सी गाय के बारे में?' मैंने कहा, 'देशी गाय के बारे में।' इस बार एक लंबा से उत्तर मेरे सामने था;

'भारत की देशी गाय एक पवित्र पशु है। वह हमारी माता है। उसके शरीर पर हाथ फेरने से ब्लड प्रेशर दूर होता है। गो मूत्र एक पवित्र औषधि है। इसके सेवन से केंसर भी समाप्त हो जाता है। गाय के गोबर में इतनी शक्ति है कि उससे लिपे हुए घरों पर परमाणु विकिरण का भी प्रभाव नहीं पड़ता। ये दैवीय गुण केवल भारत की देशी गाय में पाए जाते हैं। अन्य देशों में पाई जाने वाली गायें, घोड़े, कुत्ते और सुअर की तरह चौपाये पशु मात्र हैं।'

सत्य वही है जो कागज पर दर्ज है, बाकी सब माया

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

लेखक व्यंग्यकार हैं।

ठाकुर शिवपाल सिंह उर्फ 'छोटे महाराज' इन दिनों थोड़े विचलित थे। विचलन का कारण कोई आध्यात्मिक संकट नहीं था, बल्कि गाँव की मुख्य सड़क पर बना वह गड्ढा था जिसे स्थानीय लोग श्रद्धावश 'मिनी-मानसरोवर' कहने लगे थे। छोटे महाराज का मानना था कि लोकतंत्र का पहिया इसी गड्ढे में आकर पंचर हो जाता है, और जब तक पहिया पंचर न हो, शासन की गरिमा समझ में नहीं आती। गड्ढे की गहराई मापने के लिए किसी फीते की जरूरत नहीं थी। उसमें जब कोई साइकिल सवार गिरता और उसके मुँह से जो गालियाँ निकलतीं, उनकी तीव्रता से गड्ढे की भयावहता का अंदाजा लग जाता था।

ब्लॉक ऑफिस में बैठे 'गुप्ता जी' फाइलों के उस ढेर के पीछे छिपे थे जिसे वह अपना सुरक्षा कवच मानते थे। सरकारी तंत्र में फाइलें वैसे ही अमर होती हैं जैसे आत्मा; न इन्हें आग जला सकती है, न पानी भिगो सकता है, बस एक विभाग से दूसरे विभाग में इनका पुनर्जन्म होता रहता है। जब छोटे महाराज ने गड्ढे की शिकायत की, तो गुप्ता जी ने चश्मा उतारकर ऐसे देखा जैसे किसी ने भरे दरबार में उनसे उनकी जायदाद पूछ ली हो। उन्होंने बड़े धैर्य से समझाया कि गड्ढा होना समस्या नहीं है, समस्या है उसका 'प्रोविज़न'। बजट में सड़क बनाने का प्रावधान है, उसे सुधारने का नहीं। अगर सुधार दिया गया, तो नया टेंडर कैसे आएगा? और अगर नया टेंडर नहीं आएगा, तो विभाग के बच्चों की दीवाली फीकी रह जाएगी। यह तर्क इतना मानवीय था कि छोटे महाराज की नैतिकता वहीं ढेर हो गई। उधर गाँव की चौपाल पर बहस छिड़ी थी कि विकास बड़ा है या भ्रष्टाचार। गयादीन ने बीड़ी का कश खींचते हुए कहा कि भ्रष्टाचार तो शुद्ध घी की तरह है– दिखता नहीं, पर अगर दाल में न हो तो स्वाद नहीं आता। अब देखो, प्रधान जी ने नाली बनवाई। नाली ऐसी बनी है कि पानी ढलान की तरफ जाने के बजाय वापस प्रधान जी के घर की तरफ आता है। इसे कहते हैं– जड़ों की ओर वापसी। भीड़ में से किसी ने चुटकी ली कि सड़क का क्या होगा? इस पर गयादीन हँसा और बोला कि सड़क तो उस सती-सावित्री की तरह है जिसे हर पांच साल में चुनाव के वक्त नया श्रृंगार मिलता है, बाकी समय वह धूल फांकती है ताकि वोटरों को अपनी औकात याद रहे। अगर सड़क चकाचक हो जाएगी, तो लोग खुद को कलेक्टर समझने लगेंगे। लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जनता का थोड़ा परेशान रहना अनिवार्य है।

शाम होते-होते गड्ढे के पास एक सरकारी बोर्ड लगा दिया गया। बोर्ड पर लिखा था– 'सावधान! आगे विकास कार्य प्रगति पर है।' गाँव वाले खुश थे। काम भले न हो रहा हो, पर 'प्रगति' शब्द में एक ऐसी जादुई महक होती है जो फटे हाल आदमी को भी सुनहरे भविष्य के सपने दिखा देती है। छोटे महाराज ने भी अपनी लाठी उठाई और घर की ओर चल दिए। उन्हें समझ आ गया था कि इस देश में गड्ढे भरे नहीं जाते, उनके चारों तरफ एक ऐसी शब्दावली बुन दी जाती है कि लोग गड्ढे को ही 'विशिष्ट डिजाइन' समझने लगते हैं। सड़क अब भी टूटी थी, लेकिन फाइलों में वह 'आदर्श मार्ग' घोषित हो चुकी थी। भारत के इस हिस्से में सत्य वही है जो कागज पर दर्ज है, बाकी सब तो मात्र एक माया है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

भारत की आर्थिक रणनीति

अरुण कुमार डनायक

लेखक भारतीय स्टेट बैंक के सेवानिवृत सहायक महाप्रबंधक हैं!

बाह्य ऋण, विकास और वैश्विक जिम्मेदारी

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, जून 2025 के अंत तक केंद्र और राज्यों का कुल बाह्य ऋण 747.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो सितंबर 2025 में हल्का घटकर लगभग 746 अरब डॉलर रह गया—अर्थात् समग्र स्तर पर स्थिरता बनी रही। यह जून 2024 के 681.5 अरब डॉलर की तुलना में वार्षिक आधार पर 9.6 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से उधारी प्रवाह में वृद्धि के संकेत मिले; दिसंबर माह में अकेले 4.43 अरब डॉलर की नई ईसीबी जुटाई गई, जिससे अप्रैल–दिसंबर 2025 के दौरान कुल जुटाई गई राशि लगभग 27.5 अरब डॉलर तक पहुँच गई। यह आँकड़े प्रवाह (flows) को दर्शाते हैं, न कि कुल बकाया स्टॉक को। इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियाँ अंतरराष्ट्रीय पूँजी बाज़ारों तक अपनी पहुँच बनाए हुए हैं।

आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में बाह्य ऋण किसी भी राष्ट्र के लिए एक अपरिहार्य यथार्थ बन चुका है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। मध्य-आय जाल की स्थिति में विकास की गति बनाए रखने, अवसंरचना, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र में निवेश तथा विशाल जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बाह्य पूंजी की आवश्यकता बनी रहती है। स्वतंत्रता के बाद से भारत ने बाह्य उधारी को अंधानुकरण नहीं, बल्कि एक सुविचारित नीति-उपकरण के रूप में अपनाया है। इसका उपयोग मुख्यतः अवसंरचना, ऊर्जा, परिवहन, औद्योगिक विस्तार और वित्तीय स्थिरता के लिए किया गया है। विशेष रूप से, बाह्य वाणिज्यिक उधारी और आवश्यकता पड़ने पर आईएमएफ से प्राप्त ऋणों ने निजी क्षेत्र को भुगतान-संतुलन बनाए रखने में सहायता दी, जिससे निवेश, उत्पादन क्षमता और रोजगार सृजन को बल मिला। संविधान के अनुच्छेद 293 के तहत राज्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी ऋण लेने की सीमित संभावना होती है, और अधिकांश बाह्य उधारी केंद्र सरकार के माध्यम से होती है, जिससे ऋण प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता को संस्थागत रूप से नियंत्रित रखा जाता है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार, जून 2025 के अंत तक केंद्र और राज्यों का कुल बाह्य ऋण 747.2 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो सितंबर 2025 में हल्का घटकर लगभग 746 अरब डॉलर रह गया– अर्थात समग्र स्तर पर स्थिरता बनी रही। यह जून 2024 के 681.5 अरब डॉलर की तुलना में वार्षिक आधार पर 9.6 प्रतिशत अधिक है। दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से उधारी प्रवाह में वृद्धि के संकेत मिले; दिसंबर माह में अकेले 4.43 अरब डॉलर की नई ईसीबी जुटाई गई, जिससे अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान कुल जुटाई गई राशि लगभग 27.5 अरब डॉलर तक पहुँच गई। यह आँकड़े प्रवाह (flows) को दर्शाते हैं, न कि कुल बकायास्टॉक को। इससे संकेत मिलता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय कंपनियाँ अंतरराष्ट्रीय पूँजी बाज़ारों तक अपनी पहुँच बनाए हुए हैं।

ऋण राशि बढ़ने के बावजूद बाह्य ऋण-से-जीडीपी अनुपात मार्च 2025 के 19.1 प्रतिशत से घटकर 18.9 प्रतिशत रह गया है, जो दर्शाता है कि आर्थिक वृद्धि ऋण वृद्धि से तेज़ रही। यद्यपि केंद्रीय सरकार की सकल राजस्व प्राप्तियों (रू. 34.96 लाख करोड़) की तुलना में बाह्य ऋण का स्तर ऊँचा प्रतीत होता है, फिर भी यह अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार अभी जोखिम की सीमा के भीतर है। हाल के समय में प्रत्यक्ष विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाज़ार से दूरी बनाए रखने की प्रवृत्ति के चलते बाह्य ऋण पर निर्भरता बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे कंपनियों के लिए विनिमय-दर जोखिम का प्रबंधन और अधिक जटिल तथा चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

भारत का बाह्य ऋण संरचनात्मक रूप से सुरक्षित है। 82 प्रतिशत दीर्घकालिक, अल्पकालिक मात्र 18.1 प्रतिशत, विदेशी मुद्रा भंडार से 93 प्रतिशत से अधिक आच्छादन, ऋण-सेवा अनुपात केवल 6.6 प्रतिशत तथा परिसंपत्ति-दायित्व अनुपात 79.25 प्रतिशत होने के कारण तात्कालिक जोखिम न्यूनतम है। यद्यपि डॉलर पर अपेक्षाकृत अधिक निर्भरता से विनिमय-दर जोखिम उत्पन्न होता है, लेकिन लगभग 700 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार द्वारा 93 प्रतिशत से अधिक बाह्य ऋण का आच्छादन इस जोखिम को प्रभावी रूप से संतुलित करता है। रुपये की डॉलर के मुकाबले हाल की कमजोरी का असर सीधे कुल बाह्य ऋण की राशि पर नहीं पड़ता। इसका मुख्य प्रभाव ऋण-सेवा लागत, ब्याज भुगतान और भविष्य में ऋण के पुनर्भुगतान पर पड़ता है, जिससे कंपनियों और सरकार की वित्तीय योजना पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।

आम धारणा के विपरीत, भारत का बाह्य ऋण किसी एक देश या संस्था पर केंद्रित नहीं है। इसका स्वरूप विविध और संतुलित है– 40 प्रतिशत वाणिज्यिक उधारी (अंतरराष्ट्रीय बांड और विदेशी बैंक), 22 प्रतिशत एनआरआई जमाएँ, 11 प्रतिशत विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी बहुपक्षीय संस्थाएँ, 5 प्रतिशत जापान जैसे द्विपक्षीय ऋणदाताओं, तथा आईएमएफ की 21.6 अरब डॉलर की सीमित देनदारियाँ (मुख्यतः 1991 के संकट से जुड़ी)। भारत ने वर्षों से आईएमएफ से कोई नया कार्यक्रम ऋण नहीं लिया, जिससे नीति-स्वायत्तता बनी रही।

भारत की ऋण-चुकाने की क्षमता लगातार मज़बूत बनी हुई है। मूलधन और ब्याज सहित ऋण-सेवा भुगतान चालू प्राप्तियों का केवल 6.6 प्रतिशत है। अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियाँ-दायित्व अनुपात 79.25 प्रतिशत तक पहुँच चुका है, अर्थात् भारत की अंतरराष्ट्रीय परिसंपत्तियाँ उसकी कुल विदेशी देनदारियों के लगभग 80 प्रतिशत को आच्छादित करती हैं। यह भारत की बाह्य भुगतान क्षमता की मजबूती और तात्कालिक बाह्य संकट से सुरक्षा को स्पष्ट करता है। भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव और संरक्षणवादी प्रवृत्तियाँ बाह्य ऋण प्रबंधन की जटिलता बढ़ा सकती हैं, विशेषकर वाणिज्यिक उधारी में, जहाँ सतत निगरानी और विवेकपूर्ण नीति आवश्यक है। फरवरी 2026 में आरबीआई ने ईसीबी ढाँचे में उदारीकरण करते हुए पात्र उधारकर्ताओं की श्रेणी का विस्तार, स्वचालित मार्ग के अंतर्गत कुछ सीमाओं में शिथिलता, औसत परिपक्वता अवधि संबंधी शर्तों में लचीलापन तथा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल बनाया। इससे भारतीय कंपनियों–विशेषकर अवसंरचना और विनिर्माण क्षेत्र–के लिए विदेशी पूँजी जुटाना अधिक सुगम होगा ।

बाह्य ऋण प्रबंधन के साथ-साथ भारत आज 65 से अधिक देशों को आर्थिक सहायता प्रदान करने वाला एक प्रमुख राष्ट्र है। भूटान, नेपाल, मालदीव, मॉरीशस, म्यांमार, श्रीलंका, अफगानिस्तान तथा अनेक अफ्रीकी देश प्रमुख सहयोग प्राप्त देश हैं। केंद्रीय बजट 2025-26 में विदेश मंत्रालय के अंतर्गत लगभग रू. 6,750 करोड़ विदेशी सहायता के लिए निर्धारित किए गए हैं।

भारत न तो ग्रीस और अर्जेंटीना जैसी गंभीर ऋण-जाल वाली अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति में है, जहाँ वित्तीय अनुशासन की कमी, उच्च सार्वजनिक ऋण और संरचनात्मक कमजोरियाँ संकट का कारण बनी थीं और न ही 1997 के एशियाई वित्तीय संकट से प्रभावित देशों जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। थाईलैंड में संकट अल्पकालिक ऋण और भुगतान असंतुलन से, इंडोनेशिया में विदेशी ऋण और अवमूल्यन से, तथा दक्षिण कोरिया में अत्यधिक देनदारियाँ और बैंकिंग संकट से उत्पन्न हुआ था। इसके विपरीत, भारत ने दीर्घकालिक ऋण संरचना, संतुलित मुद्रा संयोजन, मजबूत बैंकिंग प्रणाली, आरबीआई के कठोर पर्यवेक्षण तथा ऋण चुकाने की प्रतिबद्धता के माध्यम से वित्तीय स्थिरता बनाए रखी है।

भारत अवसंरचना, उद्योग और रोजगार सृजन के लिए विवेकपूर्ण उधारी करता है और विगत सरकारों द्वारा अपनाई नीतियाँ आज भी बाह्य ऋण प्रबंधन को मजबूत रखती हैं और दीर्घकालिक निवेश, सतत विकास तथा पड़ोसी सहायता में नीतिगत निरंतरता सुनिश्चित करती हैं। उधार और उदारता की रणनीति भारत की आर्थिक परिपक्वता, वित्तीय अनुशासन और अंतरराष्ट्रीय उत्तरदायित्व को दर्शाती है, जबकि वैश्विक ब्याज दरों, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और संरक्षणवाद के मद्देनज़र सतत निगरानी की आवश्यकता बनी हुई है।

जयंती पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

डॉ. भगवान दास माहौर : क्रांतिपथ का अविचल राही

चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह के प्रिय साथी भगवान दास माहौर का जन्म 27 फरवरी, 1910 को झांसी जनपद के बड़ौनी गांव में हुआ था जो अब मध्यप्रदेश के दतिया जिला अंतर्गत आता है। माता नन्नीबाई लाड़-प्यार लुटातीं पशु-पक्षियों एवं प्रकृति से जुड़ी कहानियां सुनातीं, फलतः बालक भगवान दास प्रकृति के सान्निध्य में शांति एवं सुख अनुभव करते प्रकृति से भावनात्मक रूप से जुड़ता गया। पिता रामचरन माहौर का मिठाई बनाने का व्यवसाय था, किंतु वह जीवन में शिक्षा के महत्व से परिचित थे। इसी कारण पढ़ाई की उम्र होते ही बालक को गांव के विद्यालय में भेजा जाने लगा और समय के साथ उसने पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। आगे की शिक्षा हेतु गांव में विद्यालय उपलब्ध न था तो भगवान दास को कक्षा 6 में प्रवेश हेतु झांसी में रिश्तेदार नाथूराम माहौर के पास भेज दिया गया और वह मन लगाकर पढ़ने लगे।

पूरे परिवेश में ऊर्जा एवं उत्साह की लहर थी। देशभक्ति-भाव से वातावरण ओजमय था। देश की स्वतंत्रता में क्रांतिकारियों के योगदान की चर्चा हर जुबान थी। स्वतंत्रता के वेदिका में सांसों की समिधा समर्पित कर अमर हो गये क्रांतिपथिकों के प्रति उपस्थित जन समूह में श्रद्धा का सरोवर लबालब भरा हुआ था। अवसर था लखनऊ में, महान बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के अनावरण का। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आजाद के घनिष्ठ मित्र ने 'चंद्रशेखर आजाद - अमर रहें' के जनघोष के बीच मूर्ति पर ढंका कपड़ा हटाया, अश्रुपूरित नेत्रों से पुष्प माला पहनाई और प्रणाम हेतु चरणों में झुक गये। पूरा माहौल बलिदानी ओजस्वी नारों से गूंजता रहा। आजाद की मूर्ति के चरणों में झुका मुख्य अतिथि की शीश झुका ही रहा। एक सह-अतिथि ने हाथ का सहारा दे उठाना चाहा, पर यह क्या! उनके हाथों में निष्प्राण देह झूल गयी। अपने आदर्श, क्रांतिकारी साथी मां भारती के सपूत चंद्रशेखर आजाद के चरणों में मुख्य अतिथि ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मुख्य अतिथि थे डॉ. भगवान दास माहौर और दिन था 12 मार्च, 1979 सोमवार।

चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह के प्रिय साथी भगवान दास माहौर का जन्म 27 फरवरी, 1910 को झांसी जनपद के बड़ौनी गांव में हुआ था जो अब मध्यप्रदेश के दतिया जिला अंतर्गत आता है। माता नन्नीबाई लाड़-प्यार लुटातीं पशु-पक्षियों एवं प्रकृति से जुड़ी कहानियां सुनातीं, फलतः बालक भगवान दास प्रकृति के सान्निध्य में शांति एवं सुख अनुभव करते प्रकृति से भावनात्मक रूप से जुड़ता गया। पिता रामचरन माहौर का मिठाई बनाने का व्यवसाय था, किंतु वह जीवन में शिक्षा के महत्व से परिचित थे। इसी कारण पढ़ाई की उम्र होते ही बालक को गांव के विद्यालय में भेजा जाने लगा और समय के साथ उसने पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। आगे की शिक्षा हेतु गांव में विद्यालय उपलब्ध न था तो भगवान दास को कक्षा 6 में प्रवेश हेतु झांसी में रिश्तेदार नाथूराम माहौर के पास भेज दिया गया और वह मन लगाकर पढ़ने लगे। प्रकृति और साहित्य से लगाव बढ़ने लगा था, पर नियति ने तो कुछ और ही रच लगा था। कक्षा 9 में अध्ययन के दौरान भगवान दास का सम्पर्क क्रांतिकारी युवा शचींद्रनाथ बख्शी से हुआ। शचींद्रनाथ ने भगवान दास को चंद्रशेखर आजाद से मिलवाया। उम्र रही होगी 15-16 वर्ष, आजाद ने परीक्षा ली। शचींद्रनाथ ने पिस्तौल में गोली भरकर नली भगवान दास की ओर करके ट्रिगर दबाते हुए कहा कि गोली ऐसे चलाते हैं। इसी बीच आजाद ने शचींद्रनाथ का हाथ ऊपर उठा दिया, गोली छत से जा टकराई और छत का थोड़ा चूरा फर्श पर फैल गया। आजाद ने भगवान दास की नब्ज टटोली, दिल की धड़कन सुनी, सब सामान्य जैसे कुछ हुआ ही न हो। साहस के धनी भगवान दास न केवल क्रांतिकारी दल में शामिल कर लिए गये, बल्कि आजाद के घनिष्ठ और प्रिय साथी भी बन गये। चंद्रशेखर आजाद का आगमन जब भी झांसी होता तो भगवान दास के साथ ही रहते। झांसी के ही दो क्रांतिकारी साथी सदाशिव मलकापुर एवं विश्वनाथ वैशम्पायन, जो बांदा में बहुत समय रहे और पढ़ाई की, भी मिलते। बारहवीं उत्तीर्ण कर आजाद के निर्देश पर भगवान दास ने 1928 में विक्टोरिया कालेज ग्वालियर में प्रवेश ले छात्रावास में रहने लगे। यहां क्रांतिकारी साथियों का बहुत आना-जाना लगा रहता था, किसी को शक न हो जाये, यह सोच कर भगवान दास ने छात्रावास छोड़कर बाहर शहर में एक मकान किराये पर लिया। यहां पर क्रांतिकारियों का छिपना-रहना आसान हो गया।

काल चक्र का पहिया चलता रहा। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठियों की मार से लाला लाजपत राय का बलिदान हो चुका था। बदला लेने और देश में उत्साह जगाने के लिए लाठी चार्ज का आदेश देने वाले अंग्रेज अधिकारी जेम्स अलेक्जेंडर स्काट का वध आवश्यक था। चंद्रशेखर आजाद ने भगवान दास को लाहौर बुला लिया। योजना बनी, भूलवश स्काट की जगह जॉन पायंट्ज साण्डर्स की हत्या हो गयी। पर विषय यह नहीं है कि किसकी हत्या हुई, विषय यह है कि भगवान दास की जिम्मेदारी थी कि यदि भगतसिंह और शिवराम राजगुरु से कोई चूक होती है तो विकल्प के तौर पर भगवान दास माहौर अंग्रेज अधिकारी को तुरंत गोली मार देंगे, साथ ही भगत सिंह और राजगुरु को कवर फायर भी देंगे। इस घटना के बाद कुछ क्रांतिकारी ग्वालियर आ गये। भगवान दास ने सभी को विभिन्न स्थानों पर छिपा दिया। क्रांति कभी भी लुक-छिपकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने से नहीं होती। अतः आजाद के निर्देश पर भगवान दास माहौर और शिवदास मलकापुर 1930 में बम-बारूद और हथियारों की पेटी लेकर शिवराम राजगुरु के पास अकोला के लिए निकले। किंतु जयगोपाल एवं फणींद्रनाथ घोष की मुखबिरी से भुसावल में पकड़ लिए गये। जलगांव में मुकदमा चला और भगवान दास माहौर को 14 साल की जेल सजा हुई। इस मुकदमें के दौरान पहचान के लिए दोनों मुखबिर जलगाव कोर्ट में गवाही देने आने वाले थे। चंद्रशेखर आजाद ने सदाशिव मलकापुर के भाई शंकर राव के हाथ 20 फरवरी को भोजन पात्र में एक भरी पिस्तौल भगवान दास को भेज कर दोनों मुखबिरों की हत्या का निर्देश दिया। 21 फरवरी को पेशी थी, न्यायालय के बाहर भोजन करते मुखबिरों पर भगवान दास ने गोली चलाई किंतु सुरक्षाकर्मी आगे आ गया, दोनों मुखबिर मेज के नीचे छिप गये, पर अगली दो गोलियों ने दोनों को घायल कर दिया था। भगवान दास को जेल में बंद कर कठोर यातना दी गई। वर्ष 1938 में जब कांग्रेस मंत्रिमंडल बना तब आठ साल की जेल के बाद भगवान दास को रिहा किया गया, किंतु आंदोलनों में सक्रियता के कारण वह 1940 में फिर जेल में बंद कर दिये गये।

वर्ष 1945 में जेल से छूटने के बाद भगवान दास ने बीए, एमए करके आगरा विश्वविद्यालय से '1857 के स्वाधीनता संग्राम का हिंदी साहित्य पर प्रभाव' विषय पर शोध कर पीएचडी उपाधि प्राप्त की और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में अध्यापन कार्य किया। वह कलम के धनी थे, साहित्य के आंगन में विचरण करते थे। क्रांतिकारियों के जीवन पर 'यश की धरोहर' तथा कहानी संग्रह 'यक्ष प्रश्न' लिख साहित्य भंडार को समृद्ध किया। एक रेडियो रूपक भी लिखा - ऐसे तो घर नहीं बनता मम्मी, जो बहुत चर्चित और लोकप्रिय हुआ। संगठन गढ़ने में कुशल, अचूक निशानेबाज एवं क्रांतिकारियों में 'कुठे गुंतला' नाम से सम्बोधित क्रांतिवीर डॉ. भगवान दास माहौर ने 12 मार्च, 1979 को अपनी अंतिम सांस अपने आदर्श के चरणों में समर्पित कर दी। उनकी एक काव्य पंक्ति- मेरे शोणित की लाली से कुछ तो लाल धरा होगी, से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। जन्मभूमि बड़ौनी गांव में भगवान दास माहौर की प्रतिमा देशभक्ति का संचार करती रहेगी

पुण्यतिथि पर विशेष

सुरेन्द्र शर्मा

नानाजी देशमुख : ग्रामोदय से राष्ट्रोदय की कल्पना करने वाले राष्ट्र ऋषि

नानाजी देशमुख का नाम भारतीय सार्वजनिक जीवन में एक ऐसे कर्मयोगी के रूप में लिया जाता है, जिन्होंने राजनीति को समाजसेवा का माध्यम बनाया और बाद में सक्रिय राजनीति छोड़कर पूर्णकालिक ग्रामोदय के कार्य में स्वयं को समर्पित कर दिया। उनका जीवन सादगी, राष्ट्रभक्ति, संगठन कौशल और ग्राम विकास की प्रयोगधर्मिता का अद्भुत संगम था। वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक और चिंतक थे।

नानाजी देशमुख का जन्म 11 अक्टूबर 1916 को महाराष्ट्र के परभणी जिले के कडोली गांव में हुआ। उनका वास्तविक नाम चंडिकादास अमृतराव देशमुख था। बाल्यकाल से ही वे परिश्रमी, आत्मनिर्भर और राष्ट्रभावना से ओत-प्रोत थे। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने शिक्षा प्राप्त की और युवावस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए। संघ के स्वयंसेवक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उत्तर प्रदेश में संघ के विस्तार में विशेष योगदान दिया।

नानाजी देशमुख भारतीय जनसंघ के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए निरंतर परिश्रम किया। वे उत्तर प्रदेश में जनसंघ के प्रमुख रणनीतिकार माने जाते थे। उनकी कुशल रणनीति के कारण 1967 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को कड़ी चुनौती मिली और कई राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें बनीं।

1975 में जब देश में आपातकाल लगाया गया, तब नानाजी देशमुख लोकतंत्र की रक्षा के लिए सक्रिय रहे। उन्होंने भूमिगत रहकर विरोध आंदोलन को संगठित किया। आपातकाल के विरुद्ध जनांदोलन में उनका योगदान महत्वपूर्ण था। बाद में वे जनता पार्टी के गठन में भी सक्रिय रहे और 1977 में लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए।

सक्रिय राजनीति में ऊँचे पदों तक पहुँचने के बावजूद नानाजी देशमुख ने 60 वर्ष की आयु में राजनीति से संन्यास लेने का निर्णय लिया। उनका मानना था कि सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण समाज का पुनर्निर्माण है। उन्होंने स्वयं को ग्रामीण विकास के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया।

नानाजी देशमुख ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को व्यवहार में उतारने का प्रयास किया। उनके अनुसार विकास का केंद्र गांव होना चाहिए, क्योंकि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। इसी उद्देश्य से उन्होंने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट क्षेत्र को अपने कार्यक्षेत्र के रूप में चुना।

नानाजी देशमुख ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चित्रकूट क्षेत्र को अपने ग्राम विकास कार्यों की प्रयोगभूमि बनाया। यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ा, सूखा प्रभावित और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था। उन्होंने यहां के लगभग 500 गांवों को विकसित करने का लक्ष्य रखा। उन्होंने 1968 में स्थापित दीनदयाल शोध संस्थान के माध्यम से समग्र ग्राम विकास की योजना लागू की। इस संस्थान का उद्देश्य था–गांवों को आत्मनिर्भर, शिक्षित, स्वस्थ और संगठित बनाना।

नानाजी देशमुख ने ग्राम विकास को केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया, जिसमें पांच प्रमुख आयाम थे- शिक्षा, स्वास्थ्य,स्वावलंबन (रोजगार), सामाजिक समरसता,सतत कृषि और जल संरक्षण उनका मानना था कि यदि इन सभी क्षेत्रों में एक साथ कार्य किया जाए, तभी स्थायी परिवर्तन संभव है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए नानाजी देशमुख ने स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए। नानाजी देशमुख ने किसानों को आधुनिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों से परिचित कराया। जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन की तकनीकों को अपनाया गया जैविक खेती को प्रोत्साहित किया गया ताकि भूमि की उर्वरता बनी रहे। पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि आधारित लघु उद्योगों की स्थापना में मदद की। इससे गांवों की आय में वृद्धि हुई और रोजगार के अवसर बढ़े। ग्राम विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण मानते हुए नानाजी देशमुख ने महिला समूहों को संगठित किया।

स्वयं सहायता समूह बनाए गए। इससे महिलाओं की सामाजिक स्थिति मजबूत हुई और परिवार की आय में भी वृद्धि हुई। नानाजी देशमुख जातिगत और सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध थे। उन्होंने गांवों में सामाजिक समरसता स्थापित करने का प्रयास किया ग्राम सभाओं को सक्रिय किया गया। सामूहिक निर्णय प्रणाली को बढ़ावा दिया गया।

आपसी विवादों का समाधान गांव स्तर पर ही करने की परंपरा विकसित की गई। चित्रकूट में उनके प्रयासों से कई गांव ऐसे बने जहां बेरोजगारी कम हुई,शिक्षा का स्तर बढ़ा, स्वास्थ्य सेवाएं सुधरीं, सामाजिक एकता मजबूत हुई। उनका यह प्रयोग आज भी ग्रामीण विकास के एक सफल मॉडल के रूप में जाना जाता है। नानाजी युवाओं को संबोधित करते हुये अक्सर कहते थे अपने गांव को छोड़कर भागो मत उसे बदलने का संकल्प लो,वह युवाओं से कहते थे स्वावलंबन ही आत्म सम्मान की नींव है देश बदलना है तो पहले समाज को बदलो,समाज बदलना है तो पहले स्वयं को बदलो।

चित्रकूट एवं आसपास के 50 गांवों में स्वावलंबन अव समरसता की अलख जगाने वाले कर्मयोगी नानाजी देशमुख 27 फरवरी 2010 को सदैव के लिए चिर निद्रा में लीन हो गए।

नानाजी के निधन पर तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल ने कहा कि नानाजी जी ने अपना पूरा जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा में समर्पित कर दिया ग्रामीण विकास और शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित किया। गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने नानाजी देशमुख को 'राष्ट्र ऋषि' की संज्ञा देते हुए कहा कि नानाजी का जीवन सादगी,सेवा और समर्पण का प्रतीक था। ग्रामोदय के क्षेत्र में उनका कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्श होगा। वर्ष 2019 में नानाजी को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके द्वारा किए गए आजीवन समाजसेवा,ग्रामीण विकास,राष्ट्र निर्माण और सार्वजनिक जीवन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

विद्युत नियामक आयोग ने विद्युत दर बढ़ाने की आपत्तियों की सुनवाई की

अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के प्रदेश उप सचिव सतीश वर्मा ने भी दर्ज करवाई आपत्ति

धार। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग भोपाल ने वर्ष 2026 एवं 27 के संबंध में बिजली कंपनी ने विद्युत दर बढ़ाने की जो याचिका आयोग में दायर की थी उस पर आपत्तिकर्ताओं की सुनवाई की। अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के प्रदेश उप सचिव सतीश वर्मा ने आपत्ति दर्ज करवाते हुए प्रदेश के उपभोक्ताओं के हित में यह तर्क दिया कि विद्युत वितरण कंपनी प्रतिवर्ष घाटा बताकर विद्युत दर बढ़ाने की याचिका दायर करती है जबकि प्रदेश में इतनी बिजली पैदा हो रही है कि जो बिजली पड़ोसी राज्य को मध्य प्रदेश बेच रहा है वह मध्यप्रदेश से

खरीद कर मध्य प्रदेश से भी सस्ती बिजली बेच रहा है और बिजली कंपनी घाटा बात कर रेट बढ़ाने की मांग करती रहती है जो गलत है यह नहीं होना चाहिए।

वर्मा ने मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के समक्ष प्रदेश के उपभोक्ताओं के हित में अनेक विचार रखे। आयोग के समक्ष यह भी विचार रखा कि विद्युत वितरण कंपनी ने अलग-अलग सिलेबस बना कर रखे है प्रत्येक के रेट भी अलग-अलग है। किसी भी व्यापार मैं सिलेबस का सिस्टम नहीं है कोई भी सामान खरीदने उपभोक्ता रेट एक समान देते हैं बिजली कंपनी को यह भी हटाना चाहिए उपभोक्ता इसमें भी ठगा रहा है। कंपनी लाइट एक ही प्रकार की दे रही है लेकिन रेट अलग-अलग है जो गलत है। इसके अलावा विद्युत नियामक आयोग ने 7 अगस्त 2013 को जो नियम बनाया है उसमें धारा 8.19 में उपभोक्ता चाहे तो निजी लैब में भी अपने इलेक्ट्रिक मीटर की जांच करा सकता है किंतु प्रदेश में निजी लैब की व्यवस्था नहीं है वह भी की जाना चाहिए। संपूर्ण मामला उपभोक्ताओं के हित में आयोग में रखा और आयोग से यह भी मांग की की रेट बढ़ाने की जो याचिका आयोग में बिजली कंपनी ने दायर की है उसको निरस्त किया जाए।

पालीताणा शत्रुंजय तीर्थ की रोही आरती से राजेंद्र भवन हुआ भक्तिमय

धार। राजेंद्र भवन में बुधवार रात त्रिशला ग्रुप धार के तत्वावधान में पवित्र पालीताणा शत्रुंजय तीर्थ की रोही आरती का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जैन समाज के 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर तीर्थंकर भगवान आदिनाथदादा के प्रति अपनी गहन

आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिपूर्वक मंगलाचरण एवं प्रभु वंदना से हुआ। इसके पश्चात भगवान की ÷बधावना÷ की बोली लगाई गई, जिसका लाभ महेंद्र कुमार अंबोर परिवार ने प्राप्त किया।

आयोजन के दौरान 108 दीपकों से सामूहिक आरती संपन्न हुई। 108 दीपक जैन दर्शन में पवित्रता, साधना और पूर्णता का प्रतीक माने जाते हैं। आरती की बोली का लाभ सुभाष पगारिया परिवार ने लिया। पूरे सभागार में भक्तिमय वातावरण निर्मित हो गया। भक्ति संगीत की भावपूर्ण प्रस्तुति महावीर पावेचा द्वारा दी गई, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन उषा अनिल छाजेड़ ने किया। सभी ने इस आयोजन की सराहना की।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान जिला स्तरीय कार्यशाला 28 फरवरी को

धार। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-26 के अंतर्गत 28 फरवरी शनिवार को सुबह 11 बजे भाजपा जिला कार्यालय धार में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन होगा। भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने बताया की कार्यशाला में केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, संभागीय प्रशिक्षण प्रभारी संभागीय सह-प्रशिक्षण प्रभारी जिला प्रशिक्षण प्रभारी समेत वरिष्ठ नेताओं का निर्धारित विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला में अपेक्षित श्रेणियां बनाई गई जिसमें प्रमुख रूप से सांसद विधायक संगठन संभाग प्रभारी, भाजपा जिला प्रभारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी,प्रशिक्षण जिला टोली, मंडल अध्यक्ष मोर्चा जिला अध्यक्ष महामंत्री प्रकोष्ठ जिला संयोजक एवं प्रशिक्षण टोली के दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

होली पर्व आपसी प्रेम सद्भावना और एकता का संदेश देता है

सिटी कान्वेंट स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया होली पर्व

देवास। सिटी कान्वेंट स्कूल में होली का पर्व बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट से सुसज्जित किया गया। विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत होली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए की गई, जिसमें बच्चों ने सुंदर विचार और कविताएं प्रस्तुत कीं। हेड मिस्ट्रेस अनीता आचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि होली आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देने वाला त्योहार है। उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल होली मनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन इवेंट कोऑर्डिनेटर एंथनी दास एवं विद्या वर्मा तथा प्राइमरी स्टाफ के विशेष सहयोग से किया गया। बच्चों ने होली गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए और लघु नाटिका के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। नन्हें बच्चों द्वारा फूलों की होली विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

अंत में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। पूरा कार्यक्रम आनंद, अनुशासन और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मंत्र मुग्ध हुए नगरवासी

नगर के इतिहास में पहली बार आदिवासियों ने बड़े-बड़े ढोल, झांजर के साथ किया नृत्य

सोहागपुर। नगर के इतिहास में पहली बार आदिवासी महिलाओं,पुरुषों, युवक, युवतियों ने नृत्य किया। आदिवासियों ने हाथ ठेलो पर बड़े बड़े ठोल बजाते चल रहे थे। वहीं समस्त आदिवासी नागरिकों एवं मातृशक्ति के हाथों में झांजर, लाठियां लेकर झूमते-गाते नाचते नृत्य करते चल रहे थे। जुलूस से प्रारंभ होकर पेट्रोल पंप, वाटिका ग्रार्डन ,न्यायालय चौराहा से पलकमती पुल, मुख्य बाजार के उपरांत अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने जमकर नृत्य किया। उल्लेखनीय है सोहागपुर एसडीएम प्रियंका भल्लावी हैं।हो ,हो करते मस्ती में झूमते नाचते हुए आदिवासी महिलाओं एवं पुरुषों के उत्साह के आदिवासी नृत्य किया। इस उत्कृष्ट नृत्य प्रदर्शन के कारण राह चलते नगरवासी मंत्र मुग्ध हो कर ठिठककर नृत्य देखने को मजबूर हो गए।ऐसा मौका नगर में पहली बार नागरिकों को देखने को मिला है। हाल ही में कई ग्रामों में आदिवासियों को विस्थापित किया जा चुका है।

उक्त आदिवासियों का रेला आदिवासी ग्राम रैनीपानी के निवासी थे।बताया जाता है कि होलिका उत्सव के कारण उक्त नृत्य आदिवासियों ने किया था। न्यायालय चौराहा से अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तक उक्त

मस्ती से झूमकर, नाचते, गाते जुलूस ने मथुरा एवं बरसाना की होली को सोहागपुर की इतिहासिक धरती पर उतार दिया था। वहीं यह मेला धार जिले में भगोरिया पर्व की याद को भी ताजा कर रहा था। इस संबंध में आदिवासी ग्राम रैनीपानी निवासी ज्ञानचंद बरेला ने बताया कि उक्त उत्सव होलिका उत्सव के भगोरिया पर्व की तरह हम लोग मनाते हैं। लेकिन हमारे इस समाज में कोई युवक युवतियों को भगाने की प्रक्रिया नहीं होती है।वस्तुत इसे हम होलिका उत्सव के रूप में आदर के साथ मनाते हैं। जिसमें होली के पूर्व पहला बाजार गुरूवार आता है। उसमें खान काकड़ी,खजूर,मीठा सेव आदि के साथ अन्य सामान की खरीदी करके होली की पूजन करते हैं। हम सभी आदिवासी महिलाओं एवं परिवारजन अपनी सांस्कृतिक विरासत को बचाएं रखने के लिए करते हैं। ताकि हमारे पूर्वजों की अक्षुण्ण रहे।

नैनो उर्वरक आधारित कृषि अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

खेती की बढ़ती लागत को कम करने और उत्पादन बढ़ाने की चर्चा

बैतूल। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत जिले में द्वारा नैनो उर्वरक आधारित कृषि अधिकारी प्रशिक्षण उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान खेती की बढ़ती लागत को कम करने और उत्पादन बढ़ाने पर फोकस किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य विपणन प्रबंधक इफको डॉ. डीके सोलंकी एवं कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार डॉ.एसके तिवारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान नैनो उर्वरकों पर विस्तारपूर्वक तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। वहीं नैनो उर्वरकों से संबंधित सभी आयाम पर चर्चा

की गई। उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास डॉ. ए.के. बड़ोनिया द्वारा नैनों उर्वरकों की महत्वता व भविष्य में इनकी उपयोगिता के पर प्रकाश डाला गया व सभी कृषि अधिकारियों को इनकी जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयास करने की सलाह दी। डॉ. डीके सोलंकी द्वारा नैनो उर्वरकों के उपयोग, लाभ, महत्वता व उपयोग में सावधानियों पर जानकारी प्रदान की गई। किसानों द्वारा नैनो उर्वरकों का उपयोग कर लिए जा रहे लाभों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई की। डॉ. सोलंकी ने इफको द्वारा राज्य व देश स्तर पर किए जा रहे नवाचारों से भी सभी को अवगत कराया। डॉ. एस.के. तिवारी ने रासायनिक उर्वरकों से हो रहे नुकसानों से सभी को अवगत कराया। साथ ही संतुलित उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिएसलाह दी। गौरव पाटीदार क्षेत्र अधिकार, इफको द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों की आय बढ़ाने व लागत घटाने को केंद्र में रखा गया।

नपा सीएमओ और उपयंत्री निलंबित, बैतूल एसडीएम को प्रभार

बैतूल। नगरपालिका परिषद बैतूल के सीएमओ सतीश मटसेनिया और उपयंत्री जतिन पाल को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने एसडीएम बैतूल डॉ. अभिजीत सिंह को परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण बैतूल और सीएमओ, नगर पालिका बैतूल का प्रभार सौंपा है। एसडीएम बैतूल अपने कार्यों के साथ साथ आगामी आदेश पर्यंत पीओ डूडा और सीएमओ बैतूल के दायित्वों का भी निर्वहन करेंगे। बता दे कि कलेक्टर बैतूल द्वारा नगर पालिका परिषद बैतूल अंतर्गत किदवई वार्ड गौठाना स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में लीगेसी वेस्ट डंप साइट रेमेडिएशन परियोजना के कार्य निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप न किए जाने की शिकायत पर गठित जांच दल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जांच प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया कि नगर पालिका परिषद बैतूल द्वारा निविदा शर्तों के अनुरूप कार्य निष्पादन नहीं होने के बावजूद ठेकेदार को अनियमित रूप से भुगतान किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे द्वारा नगर पालिका परिषद बैतूल में पदस्थ मुख्य नगरपालिका अधिकारी सतीश मटसेनिया तथा उपयंत्री जतिन पाल को निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में श्री मटसेनिया का मुख्यालय कार्यालय संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, संभाग नर्मदापुरम रहेगा तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। इसी प्रकार निलंबन अवधि में उपयंत्री श्री जतिन पाल का मुख्यालय भी संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास, संभाग नर्मदापुरम रहेगा और उन्हें भी नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

पार्षदों के विरोध पर एक दिन के अंतराल से जारी रहेगी पेयजलापूर्ति, 27 फरवरी को बुलाई आपात बैठक

पेयजल विवाद : नगरपालिका अध्यक्ष के दखल के बाद थमा

आमला। नगरपालिका में जल शाखा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों और नगरपालिका की सहमति के बिना, वर्तमान में पूरे शहर में एक दिन के अंतराल से की जा रही पेयजलापूर्ति को बदलकर 2 दिन के अंतराल से करने पर और पार्षदों के विरोध के बाद बुधवार को नगर पालिका अध्यक्ष ने पूरे मामले में दखल देकर फिलहाल विवाद का पटाक्षेप कर दिया है। नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे ने नगर पालिका पहुंचकर पार्षदों के साथ चर्चा की और जलशाखा के एक तरफा निर्णय पर फिलहाल रोक लगा दी है। जल शाखा के एक तरफा निर्णय का विरोध दर्ज कराने नपा पहुंचे पार्षद अलका मानकर, पद्मिनी भूमरकर, नीलम साहू, खुशबू

अतुलकर, सुधीर अंबाडकर और राकेश शर्मा ने नगर पालिका अध्यक्ष को कर्मचारियों की निरंकुशता और बिना परिषद की सहमति के निर्णय लेने पर घोर आपत्ति दर्ज की थी। नगर पालिका में पार्षदो के विरोध के बाद नगर पालिका अध्यक्ष ने जल शाखा के विभाग के एक तरफा निर्णय लेने पर फटकार भी लगाई है। इस मामले में फिलहाल शहर में अध्यक्ष के दखल के बाद एक दिन के अंतराल से पेयजलापूर्ति होती रहेगी, इस दौरान शहर के लोगों ने पार्षदों का आभार भी जताया है।

नपा अध्यक्ष ने 27 को बुलाई परिषद की आपात बैठक- इधर जलापूर्ति पर 1 दिन के अंतराल को बढ़ाकर 2 दिन करने पर छिड़े घमासान के बाद मामले की गंभीरता को समझते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने परिषद की 27 फरवरी को आपात बैठक बुलाई है, यहां उपस्थित पार्षदों के आग्रह पर आगामी जल संकट से निपटने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। बैठक में शहर के कई स्थलों पर नलकूपों में मोटर लगाने पर भी विचार किया जाएगा, इसके अलावा संभवतः बैठक के बाद सभी पार्षद शहर के सबसे पुराने और परंपरागत जल स्रोत चिकना नाला का भी निरीक्षण करेंगे। माना जा रहा है, कि यहां चिकना नाला को लेकर परिषद कोई बड़ा फैसला भी ले सकती है।

एक दर्जन से ज्यादा नलकूपों का अधिग्रहण करेगी नपा

आगामी जल संकट से निपटने के लिए नगरपालिका अपने सभी परंपरागत जल स्रोतों के अलावा कोई दर्जन भर निजी नलकूपों का भी अधिग्रहण करने जा रही है। इसके लिए नगर पालिका में वरिष्ठ अधिकारियों की सहमति से नलकूपों के अधिग्रहण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। अगर नगर पालिका चिकना नाला एवं नए नलकूपों का अधिग्रहण करती है तो, शहर में गर्मी के मौसम में भी पेयजल व्यवस्था को बेहतर चलाया जा सकता है। मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरें ने बताया है कि शहर की जनता की प्राथमिकता और समस्याएं सबसे पहले हैं, हम शहर को बेहतरी की ओर ले जाने के लिए भरसक प्रयास कर रहे हैं।

फाग यात्रा के आयोजन को लेकर महा बैठक आज

देवास। सामाजिक समरसता मंच देवास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रंगपंचमी के अवसर पर श्री राधा कृष्ण फाग यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके निमित्त 27 फरवरी शुक्रवार को शाम 6.00 बजे स्थान मल्हार स्मृति मंदिर सभागृह में एक सामाजिक महा बैठक का आयोजन मंच के माध्यम से किया जा रहा है। जिसमें नगर के धार्मिक, सामाजिक,राजनीतिक क्षेत्र के साथ सभी समाज के प्रमुख, मातृशक्ति एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम के आयोजन में अपनी सहभागिता के साथ सुझाव भी आमंत्रित किए गए हैं। जिससे की फाग यात्रा को भव्य रूप दे सके। उक्त जानकारी राम पदारथ जी मिश्रा ने दी।

करनपुर में 65 नागरिकों के नेत्र परीक्षण

सोहागपुर। नगर के समीपवर्ती ग्राम करनपुर में कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन के सामाजिक मंगल भवन में पीपल्स हॉस्पिटल भानपुर भोपाल के सहयोग से विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। इस नेत्र शिविर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहागपुर से बी. एम. ओ. रेखा गौर ,नेत्र चिकित्सक ए.के.शाक्य एवं पीपल्स हास्पिटल के डाक्टर हरपाल सिंह, डाक्टर सतेन्द्र सिंह आदि की टीम ने शिविर में करीबन 65 मरीजों नका नेत्र परीक्षण किया। जिसमें 27 मरीजों को नेत्र लेंस प्रत्यारोपण के लिए पीपल्स हॉस्पिटल भोपाल भेजा गया ।इस आयोजन में कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन ने के पदाधिकारियों उपस्थिति थे। इस शिविर में ग्राम के की समाजसेवियों ने सहयोग किया। कुशवाहा मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन के पदाधिकारियों ने शिविर सहयोग करने पर सभी का आभार व्यक्त किया है

देवास में सजेगा मराठी संस्कृति का महाकुंभ : 27 फरवरी से बृहन्महाराष्ट्र मंडल का 74वां वार्षिक अधिवेशन

देवास। माँ तुलजा - माँ चामुण्डा की पावन नगरी देवास आगामी 27 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक मराठी संस्कृति के विराट उत्सव की साक्षी बनेगी। बृहन्महाराष्ट्र मंडल, नई दिल्ली के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्था का 74वां वार्षिक अधिवेशन एवं साधारण सभा इस वर्ष मालवा की धरती पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन की मेजबानी महाराष्ट्र समाज, देवास द्वारा की जा रही है। यह अधिवेशन महाराष्ट्र के बाहर जीवंत 'मराठी अस्मिता' के उत्सव के रूप में देखा जा रहा है।

उद्घाटन समारोह 28 फरवरी को- अधिवेशन का औपचारिक उद्घाटन 28 फरवरी, शनिवार को प्रातः 10:30 बजे होगा। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी तथा विधायक गायत्रीराजे पवार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में प्रख्यात कलाकार अशोक समेळ और स्वानंद किरकिरे विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला- अधिवेशन के अंतर्गत तीन दिनों तक विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 27 फरवरी को 'शब्दस्वरांचा सुवर्ण प्रवास' के माध्यम से मराठी भाषा गौरव दिवस पर ख्यात कवियों की रचनाओं का गायन एवं पाठ होगा। 28 फरवरी को प्रातः 8 बजे 'निर्मळ निर्गुण' में पं. कुमार गंधर्व

के पौत्र पं. भुवनेश कोमकली निर्गुण भजनों की प्रस्तुति देंगे। दोपहर 1:30 बजे 'काव्य संगम' में द्विभाषी कवियों का काव्य पाठ होगा। इसके बाद 2:30 बजे 'मुक्त संवाद' में अशोक समेळ और स्वानंद किरकिरे के साथ विशेष साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। सायं 5 बजे मुख्य अधिवेशन स्थल से महाराष्ट्र समाज तक 'मराठी गौरव शोभायात्रा' निकाली जाएगी, जो महाराष्ट्र की शौर्य गाथा और सांस्कृतिक वैभव को प्रदर्शित करेगी। शाम 6 बजे 'भक्तिरंग' कार्यक्रम में सुपरस्टार छोटे उस्ताद विजेता राजयोग धुरी संतों के अभंग एवं भजनों की प्रस्तुति देंगे।

1 मार्च को होगा संगठनात्मक सत्र- 1 मार्च, रविवार को वार्षिक साधारण सभा आयोजित की जाएगी। इसी दिन सत्र 2026-2029 के लिए नई कार्यकारिणी के निर्वाचन हेतु मतदान एवं चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी। अधिवेशन के मुख्य कार्यक्रम देवास मंडी व्यापारी एसोसिएशन धर्मशाला (मुख्य बस स्टैंड के सामने) में आयोजित होंगे, जबकि 'भक्तिरंग' का विशेष आयोजन महाराष्ट्र समाज के राजकवि श्री गोविंदराव झोकरकर स्मृति सभागार में किया जाएगा। आयोजकों ने समस्त मराठी भाषी बंधुओं एवं सदस्यों से सहपरिवार इस ऐतिहासिक अवसर पर उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

शहर के सभी नदी घाटों को साफ स्वच्छ करते हुए होमगार्ड जवानों की तैनाती की जाए : कमिश्नर

शहर के सभी नदी घाटों में अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा सप्ताह में एक दिन श्रमदान किया जाएंगा कमिश्नर ने संभागीय समय सीमा की बैठक में दिये निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने नगर पालिका अधिकारी श्रीमती हेमेश्वरी पटले एवं संभागीय अधिकारी जन अभियान परिषद श्री कौशलेश तिवारी को निर्देश दिए की वे शहर में स्थित घाट गोदरी घाट, मंगलवार घाट, कोरी घाट, हर्बल घाट, पोस्ट ऑफिस घाट, सर्किट हाउस घाट एवं सेठानी घाट मैं आवश्यक साफ सफाई कराकर घाट को स्वच्छ बनाएं। साथ ही जन अभियान परिषद अपनी नर्मदा सेवा समिति के माध्यम से घाट में व्याप्त व्यापक गंदगी एवं कचरा को हटाना सुनिश्चित करे। कमिश्नर ने संभागीय कमांडेंट होमगार्ड को निर्देश दिए कि वह सभी घाटों में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एक-एक होमगार्ड जवानों की तैनाती करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि गत दिवस उन्होंने अपने भ्रमण के दौरान पाया कि सभी घाटों में अनावश्यक रूप से कचरा, गंदगी एवं बास बल्ली, अधजले कपड़े एवं बोतले बिखरी पड़ी है। जो की घाटों की सुंदरता को नष्ट करती है साथ ही घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं में अच्छा प्रभाव नहीं डालती हैं।

कमिश्नर ने कहा कि नगर पालिका अधिकारी एवं जन अभियान परिषद के नर्मदा सेवा समिति के सदस्य आगामी कुछ दिनों में लगातार घाटों की साफ सफाई कर घाटों को स्वच्छ बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सप्ताह में एक दिन सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी अपना योगदान देंगे। सभी घाटों पर जाकर श्रमदान करेंगे। श्रमदान के माध्यम से घाटों को स्वच्छ एवं निर्मल बनाएंगे। जन अभियान परिषद के श्री कौशल तिवारी ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में 120 किलोमीटर के क्षेत्र में नर्मदा नदी में स्थित 68 नदी घाट है। कमिश्नर ने कहा कि प्रथम चरण में शहर के घाटों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि लोगों को समझाइश दी जाए कि वह हवन कुंड में ही हवन सामग्री का दान करें। उन्होंने नर्मदा सेवा समिति के सदस्यों को प्रतिदिन घाट पर जाकर घाटों की साफ सफाई करने के निर्देश दिए साथ ही कहा कि इधर-उधर बिखरे कांच की बोतले, अधजले कपड़े एवं अन्य कूड़ा कर्कट की सामग्रियों को घाटों से हटाया जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग श्री राजाराम मीणा को निर्देश दिए कि वह तवा नगर में स्थित जल संसाधन विभाग के शासकीय आवास में रहने वाले रिटायर कर्मचारी एवं स्थानांतरित कर्मचारी से आवास खाली करवाए साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि कुछ मृत कर्मचारियों के परिजन भी अनाधिकृत रूप से आवासों पर कब्जा किए हुए हैं उनसे भी प्राथमिकता से आवास खाली कराया जाए। उन्होंने कहा कि आवास खाली कराने के बाद उनके समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ताकि पात्र व्यक्तियों को आवास का आवंटन किया जा सके। कमिश्नर ने समय सीमा की बैठक में दिव्याग पार्क को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वरिष्ठ जन पार्क को भी साफ एवं स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने नलों से आ रहे मट मैले पानी, शहर में जहां तहां लगे अवैध होर्डिंग हटाने, कचरा संग्रहण वाहनो के नियमित रूप से सभी कॉलोनियों में जाने, नहर के औवर फ्लों को रोकने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

कमिश्नर ने समय मान वेतनमान के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए

कमिश्नर ने गर्मी के मौसम में पीएचई विभाग एवं नगर पालिका विभाग को पेयजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचई विभाग एवं शहरी क्षेत्र में नगर पालिका यह सुनिश्चित करेंगे कि आम जनता को जल संकट का सामना न करना पड़े एवं उन्हें निर्बाध रूप से पानी की आपूर्ति सुचारू रूप से होती रहे। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह उक्त दोनों विभाग जल प्रदाय में विशेष ध्यान केंद्रित करें। फसल गिरदावरी की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी जगह शत प्रतिशत फसल गिरदावरी सुनिश्चित की जाए, अभी वर्तमान में नर्मदापुरम में 62% हरदा में 87% एवं बैतूल में 83% फसल गिरदावरी हो चुकी है। कमिश्नर ने नर्मदापुरम जिले के अधिकारियों को और तेजी से फसल गिरदावरी का कार्य संपन्न कराने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने विस्थापित ग्रामों में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के तहत कलस्टर वार शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की शिविर में प्राप्त प्रकरणों का यथा संभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी सख्त

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि डायवर्सन, बंटवारा और नामांतरण से जुड़े लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर उन्हें तुरंत राजस्व पोर्टल पर दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा और डायवर्सन के लंबित मामलों के कारण आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी उठानी न पड़ें। ऐसे में सभी पटवारी और आरआई अपने-अपने क्षेत्र के लंबित प्रकरणों की सूची बनाकर तय समय सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सभी राजस्व अमले को फील्ड में सक्रिय रहकर कार्य करने और शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि किए गए कार्य की नियमित समीक्षा की जाएगी। यदि राजस्व वसूली और प्रकरणों के निराकरण में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

राजस्व वसूली में प्रगति लाने के लिए निर्देश : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रतिदिन राजस्व वसूली में वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

आष्टा जनपद सीईओ ने किया गौशाला का निरीक्षण

अनियमितताएं पाए जाने पर सरपंच और सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार अधिकारियों द्वारा जिले में संचालित गौशालाओं में सभी व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के उद्देश्य से गौशालाओं का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आष्टा जनपद सीईओ श्री अमित व्यास ने ग्राम पचांयत खजुरिया जावर में मनरेगा योजना के तहत निर्मित गौशाला का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में पेयजल एंव साफ सफाई संबंधी अनियमितताएं पाई गई। सीईओ श्री अमित व्यास द्वारा अनियमितताएं पाए जाने पर ग्राम के सरपंच श्रीमति मायाबाई विश्वकर्मा और सचिव श्री महेन्द्र सिह ठाकुर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और गौशाला में व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान कलस्टर प्रभारी श्री सुमतलाल करोलिया एवं उपयंत्री श्रीमती दीक्षा नागर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मंडीदीप में आयोजित ओडीओपी एवं एक्सपोर्ट कार्यशाला में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने की सहभागिता

रायसेन (निप्र)। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) द्वारा मंडीदीप एसोसिएशन हॉल में ओडीओपी एवं एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को निर्यात संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में 150 से अधिक उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों एवं हितधारकों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यशाला में कॉनकोर से श्री अभिनव ने लॉजिस्टिक्स एवं निर्यात प्रक्रियाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। यूको बैंक से श्री रत्नेश ने निर्यातकों के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी दी, वहीं डाक विभाग से श्री विजय पांडेय द्वारा डाक सेवाओं के माध्यम से छोटे उद्यमियों के लिए निर्यात के अवसरों पर प्रस्तुति दी गई। वॉलमार्ट से श्री समीर मिस्त्री ने आधुनिक बाजार की मांग, गुणवत्ता मानकों एवं वैश्विक प्लेटफॉर्म पर उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के तरीकों पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया। इसी प्रकार आईटीआईएफसी सेल, एमपीआईडीसी से सुश्री प्रीति तिवारी ने कार्यक्रम में वक्ता के रूप में ओडीओपी एवं निर्यात की संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति देते हुए स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में एमपीआईडीसी रायसेन के जीएम श्री राहुल शर्मा, रीजनल एडवाइजर श्री प्रणय चौहान तथा मंडीदीप इंडस्ट्री एसोसिएशन के वाइस चेयरमैन श्री आदित्य मोदी भी उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को निर्यात दस्तावेज़ीकरण, बाजार से जुड़ाव तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाना और उद्यमियों को निर्यात के लिए सक्षम बनाना रहा। यह कार्यशाला स्थानीय उद्यमियों के लिए निर्यात के नए अवसरों को समझने एवं अपने व्यवसाय को विस्तार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

चाइल्ड हेल्पलाइन योजना अंतर्गत खंड स्तर पर बाल सहायता समूह कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीति कांस्बा के मार्गदर्शन में चाइल्ड हेल्पलाइन योजना अंतर्गत 1098 खंड स्तर पर बाल सहायता समूह कार्यक्रम का आयोजन आज नटेरन में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा से विपत्तिग्रस्त बच्चों के पुनर्वास एवं हेल्पलाइन सेवा से बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की उपयोगी जानकारी देकर बाल सहायता समूह के सदस्यों को जागरूक करना था।

बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए आष्टा में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के शून्य से 18 वर्ष की आयु वाले सभी बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा। इन शिविरों में जिला मेडिकल बोर्ड एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन सुनिश्चित किया जा रहा है और चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आष्टा जनपद पंचायत सभाकक्ष में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग की गई और चिन्हांकन किया गया। शिविर में कुल 67 दिव्यांग बच्चों ने पंजीयन कराया।

इन स्थानों पर दिनांकवार लग रहे हैं शिविर

कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी निर्देशानुसार 27 फरवरी को रेहटी नगर परिषद में, 10 मार्च को बुधनी जनपद पंचायत सभाकक्ष में और 12 फरवरी को शाहगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रातः 10 बजे से शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के लिए संबंधित नगर पालिका सीएमओ और जनपद सीईओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

सेवा की अनूठी मिसाल : टीम संडे का सुकून के मोक्ष वाहन ने की एक साल में 200 परिवारों की मदद

निःशुल्क सेवा : शहर से लेकर गांव तक शोकाकुल परिवारों का सारथी बना वाहन

सीहोर (निप्र)। जब किसी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटता है और कोई अपना साथ छोड़ जाता है तो उस कठिन घड़ी में अंतिम संस्कार की व्यवस्थाएं जुटाना एक बड़ी चुनौती होती है। शहर की जागरूक युवाओं की संस्था टीम संडे का सुकून ने इसी पीड़ा को समझा और आज से ठीक एक साल पहले शहर में मोक्ष वाहन सेवा की शुरुआत की। इस सेवा ने सफलतापूर्वक अपना एक साल पूरा कर लिया है, जो अब शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक बड़ा संबल बन गई है। टीम संडे का सुकून ने बताया कि पिछले एक साल के सफर में यह मोक्ष वाहन 200 से अधिक शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंच चुका है। मात्र एक कॉल पर वाहन प्रशिक्षित चालक के साथ मृतक के निवास पर पहुंच जाता है।

सबसे खास बात यह है कि इस पूरी सेवा का प्रबंधन और आर्थिक भार टीम संडे का सुकून खुद ही उठाती है। टीम ने जानकारी दी कि साल भर में वाहन के संचालन पर लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये का खर्च आया है। इसमें प्रशिक्षित वाहन चालक का वेतन, डीजल का खर्च और वाहन का रखरखाव शामिल है। मोक्ष वाहन के चालक केवल गाड़ी ही नहीं चलाते, बल्कि वे

अंतिम विदाई की प्रक्रियाओं में हाथ बंटाकर मानवीय संवेदनाओं का परिचय भी देते हैं।

टीम सदस्यों के अनुसार सेवा का दायरा केवल शहर तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के गांवों से सूचना मिलने पर भी टीम तत्परता से वहां पहुंचती है। टीम संडे का सुकून के इस सेवाभावी कार्य की नगर में मुक्त कंठ से सराहना हो रही है। लोगों का कहना है कि जहां आज के दौर में हर चीज व्यापार बन गई है, वहीं इन युवाओं ने निःस्वार्थ भाव से समाज की सेवा का जो बीड़ा उठाया है, वह प्रेरणादायी है। टीम ने बताया कि इस सेवा के लिए हमने मोबाइल नंबर 8120205052 जारी कर रखा है।

जनगणना का कार्य गंभीरता और शुद्धता के साथ समयसीमा में सम्पन्न कराना है: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए चार्ज अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण, जनगणना 2027 के प्रथम चरण में 01 मई से 30 मई तक होगी मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना

रायसेन (निप्र)। भारत सरकार के जनगणना कार्य निदेशालय के निर्देशानुसार जिले में जनगणना 2027 अंतर्गत प्रथम चरण के लिए नियुक्त ग्रामीण और निकाय चार्ज अधिकारियों का प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डाटा प्रक्रिया है। जनगणना के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य एक मई से 30 मई 2026 तक किया जाएगा। यह कार्य गंभीरता और शुद्धता के साथ समय सीमा में सम्पन्न कराना है, इसलिए सभी जनगणना से जुड़ी प्रक्रिया और आवश्यक जानकारी का भलीभांति अध्ययन कर लें, जिससे कि जनगणना कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी या त्रुटि ना हो। प्रशिक्षण में जानकारी दी गई कि इस बार जनगणना कार्य में डिजिटल तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा हैं। आंकड़ों का संग्रह मोबाइल ऐप के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गणना ब्लॉक की सीमा को जीपीएस तकनीक से कैप्चर किया जाएगा। समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सीएमएमएस पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। प्रशिक्षण में बताया गया कि जनगणना 2027 में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक स्व-गणना वेब पोर्टल विकसित किया गया है। प्रशिक्षण सत्रों में श्री दिलीप साहू एवं श्रीमती ऐन्सी रेजी द्वारा प्रतिभागियों को विस्तृत और व्यवहारिक जानकारी दी गई। इस दौरान जनगणना की सम्पूर्ण प्रक्रिया, प्रपत्रों का संधारण, मोबाईल एप्लीकेशन के उपयोग, हाउस लिस्टिंग एवं अन्य तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। फील्ड स्तर पर संभावित चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण में जिला स्तर से अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री मनोज उपाध्याय, जिला योजना अधिकारी श्रीमती किस्मत साहनी, सभी अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद नर्मदापुरम की जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। जन अभियान परिषद, मध्यप्रदेश के मार्गदर्शन में जिला जन अभियान परिषद नर्मदापुरम द्वारा जिला स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन जिला मुख्यालय पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बैठक में संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी एवं जिला समन्वयक पवन सहगल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में नवांकुर नर्सरी निर्माण, प्रस्फुटन समितियों की सेक्टर स्तरीय बैठकों, समितियों के दस्तावेजीकरण, नवांकुर संस्थाओं द्वारा विगत माह में किए गए कार्यों, प्रस्फुटन समितियों के बोर्ड-फ्लेक्स एवं कार्यालय निर्माण सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही प्रस्फुटन समितियों के उपयोगिता प्रमाण-पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिले में कार्यरत समस्त चयनित नवांकुर संस्थाओं द्वारा विगत एक माह में किए गए कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश कार्यालय द्वारा निर्धारित दायित्वों एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गहन चर्चा की गई। ग्राम चौपाल, सामूहिक श्रमदान तथा ग्राम स्तर पर परिवारों से व्यक्तिगत संपर्क जैसे विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संभाग समन्वयक कौशलेश प्रताप तिवारी ने स्वावलंबन के माध्यम से महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं की आय वृद्धि हेतु नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है, जिससे महिलाएँ आत्मनिर्भर बन सकें। जिला समन्वयक पवन सहगल ने निर्देशित किया कि सभी नवांकुर संस्थाएँ ग्राम स्तर पर प्रस्फुटन समितियों को सक्रिय करें, नियमित सेक्टर स्तरीय बैठकें आयोजित करें, दीवार लेखन को प्राथमिकता दें तथा ग्राम चौपाल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाएँ। साथ ही पंचायत स्तर पर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु सेवा कार्यों को सशक्त बनाने पर बल दिया गया।

कलेक्टर ने यशोदा एडॉप्शन सेंटर (शिशु गृह) का किया निरीक्षण

अब तक 31 बच्चों को मिला नया परिवार

विदिशा (निप्र)। जिले में संचालित यशोदा एडॉप्शन सेंटर (शिशु गृह) का कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा, श्री संतोष रघुवंशी एवं संस्था प्रबंधक श्री शुभम गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान शिशु गृह में वर्तमान में 4 बच्चे निवासरत पाए गए। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उनकी दिनचर्या, खान-पान और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने बताया कि उन्हें नाश्ते में खिचड़ी, दूध और टोस्ट दिया गया। कलेक्टर ने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता को बनाए रखने तथा समय-समय पर इसकी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संस्था प्रबंधन को निर्देशित किया कि सभी बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजना सुनिश्चित किया जाए और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा मानसिक एवं सामाजिक विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि इन बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 से संचालित इस शिशु गृह के माध्यम से अब तक कुल 31 बच्चों को दत्तक ग्रहण के जरिए नया परिवार मिल चुका है। इनमें से 26 बच्चों को भारत में रहने वाले परिवारों ने अपनाया है, जबकि 5 बच्चों को विदेशों में रहने वाले परिवारों द्वारा गोद लिया गया है। यह उपलब्धि संस्था की बेहतर कार्यप्रणाली और बच्चों के पुनर्वास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संस्था के रिकॉर्ड, बच्चों के रहने की व्यवस्था, साफ-सफाई तथा अन्य सुविधाओं का भी अवलोकन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे केंद्र समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जो बेसहारा बच्चों को न केवल आश्रय प्रदान करते हैं, बल्कि उन्हें एक नया जीवन और परिवार भी उपलब्ध कराते हैं।

यशोदा एडॉप्शन सेंटर का यह कार्य न केवल जिले बल्कि प्रदेश के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है, जहां जरूरतमंद बच्चों को सुरक्षित वातावरण और बेहतर भविष्य प्रदान करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

राइट क्लिक

क्या मां-बाप को अपने ही बच्चों से सतर्क रहने का वक्त आ गया है?

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।
संपर्क-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

कभी नफासत का पर्याय रहे लखनऊ में एक बेटे ने अपने कारोबारी बाप की जिस निर्ममता और निर्लज्जता कर टुकड़े-टुकड़े कर ड्रम में भरा, उससे तो यह सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या अब मां-बाप को अपने ही बच्चों से सतर्क रहने का वक्त आ गया है? लखनऊ की इस दहला देने वाली घटना के पीछे बाप-बेटे के रिश्तों में तनाव और संदिग्ध चरित्र की बातें भी सामने आ रही हैं, बावजूद इसके ऐसा लगता है कि इस पीढ़ी के लिए किसी की भी और किसी भी कारण से हत्या सोशल मीडिया पर भावविहीन चैट से ज्यादा मायने नहीं रखती। यहां माता-पिता का मूल्य एक जैविक जन्मदाता से अधिक नहीं है। कोई भी प्रतिक्रिया अतिवाद की पराकाष्ठा तक जा पहुंचती है। 'बुढ़ापे की लाठी' और 'वृद्धावस्था का सहारा' जैसे जुमले बेमानी होने लगे हैं। और यह बात केवल लखनऊ की एक घटना भर से सिद्ध नहीं होती। विगत एक वर्ष में ऐसी कई वीभत्स मामले सामने आए हैं, जब बेटे या बेटियों ने बहुत तुच्छ कारणों से अपने मां अथवा बाप या फिर दोनो को ही मौत की नींद सुलाने में कोताही नही की। इस भयंकर कृत्य को अंजाम देने के बाद उनकी बाकी जिंदगी कैसे गुजरेगी, इस बारे में क्षण भर भी नहीं सोचा। जो मन में आया सो कर दिया। न कोई अफसोस, न मलाल। इन सभी घटनाओं में एक बात कॉमन दिखती है, वह है पारिवारिक रिश्तों में तनाव और संवादहीनता।

हाल की ऐसी कुछ गंभीर घटनाएं देखें

1. लखनऊ में बेटे ने बाप की गोली मार कर हत्या कर दी। फिर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े किए। कुछ हिस्सा नदी में फेंका और बाकी ड्रम में भर दिया। बाप की गलती यह थी कि उसने बेटे को पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करने को कहा था। बाप की निर्मम हत्या की उसकी बहन को भी थी। लेकिन वो किसी कारण से चार दिन तक चुप रही। यानी यहां अधीरता और धीरता दोनों की पराकाष्ठा है।
2. यूपी के मुजफ्फरनगर जिले के मोरना गांव में दो सगी बहनों ने तड़के तीन बजे अपने पिता राम प्रसाद की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। दोनों पिता की कड़ी पाबंदियों, सतत टोका-टाकी, बेटे और बेटी में फर्क करने और शादी नहीं करने की वजह से नाराज थीं। ध्यान भटकाने के लिए उन्होंने विधवा हो चुकी मां के आसूं पोछें। मामला थाने पहुंचते ही पर्दा हटा तो दोनों के आंसू सूख गए। पता चला कि पिता ने पूर्व में किसी बात पर बड़ी बेटी को चांटा मार दिया था। उसका बदला उसने पिता को ही ठिकाने लगाकर लिया। दोनों बहनें पिता से छिपकर एक मोबाइल चलाती थीं। उन्हें रील में ही सुनहरे ख्वाब और बेटियों की आजादी दिखती थी।
3. जयपुर में इकलौते बेटे ने अपनी मां की बेरहमी से हत्या इसलिए कर दी, क्योंकि मां ने वाई-फाई कनेक्शन कटवा दिया था। यह हत्या भी उसने तब की, जब आरोपी की बहन की पांच माह बाद शादी होनी थी। बेटा किसी प्रायवेट कंपनी में काम करता था, साथ में नशे का भी आदी था। उसकी पत्नी भी साथ छोड़ गई थी। हत्यारे बेटे के अभागे पिता ने बेटे को फांसी देने की गुहार की है।
4. तमिलनाडु के कडप्पा जिले के प्रोद्दातुर कस्बे में एक बेटे ने अपनी मां की गला काट कर हत्या कर दी और बाद में आराम से टीवी देखता रहा। मां शिक्षिका थी और हत्यारा बेटा बेरोजगार इंजीनियर। मां बेटे को नियमित पैसे भेजती थी, लेकिन मांग ज्यादा बढ़ जाने पर उसने पैसे भेजने से इंकार कर दिया। नतीजा उसे अपने ही बेटे के हाथों जान गंवानी पड़ी।
5. महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के डोंगरगांव में एक नशेड़ी बेटे ने अपनी वृद्ध मां को सिर्फ इसलिए बेरहमी से मार डाला, क्योंकि खाने में उसने बेटे की मनपसंद सब्जी नहीं बनाई थी। हत्या के बाद बेटे ने अचार के साथ शराब पीकर मां की 'मौत का जश्न' भी मनाया। महाराष्ट्र के ही कोल्हापुर के माकडवाला इलाके में हुई एक वीभत्स घटना में बेटे ने मां की न केवल हत्या की बल्कि बाद में उसके अंगों को पकाकर नमक मिर्च लगाकर खाया। इस राक्षसी कृत्य के लिए अदालत ने उसे मृत्युदंड दिया। बेटे ने मां की हत्या सिर्फ इसलिए की थी, क्योंकि उसने शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए थे।
6. यूपी के हरदोई जिले के ग्राम बेहटागोकुल में एक नशेड़ी बेटे ने अपनी मां का कत्ल इसलिए कर दिया, क्योंकि उसने 300 रू. देने से इंकार कर दिया था।
6. छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र में एक बेटी ने अपने बाप की हंसिए से गला काटकर हत्या कर दी, क्योंकि बाप को बेटी की उन्मुक्त जीवनशैली पसंद नहीं थी।

इन तमाम घटनाओं में चाहे वह बेटे हों या बेटियां, उस उम्र के हैं, जिन्हे जेन जी कहा जाता है। ये वो पीढ़ी है, जो सोशल मीडिया के साथ बड़ी हुई है। जिसने संचार क्रांति के कारण घटती भौगोलिक दूरियों और आपसी रिश्ते में बढ़ती दूरियों को एकसाथ भोगा है। चौबीसों घंटे सोशल मीडिया के जरिए संपर्क की अति को जीया है। उनकी असल और वर्चुअल दुनिया में बहुत धुंधली सी लक्ष्मण रेखा बची है। तर्क दिया जा सकता है कि कतिपय युवाओं के जघन्य अपराधों की वजह से पूरी पीढ़ी को एक तराजू में तौलना गलत है। मान लिया, लेकिन अभी तो यह शुरूआत है। पहले भी ऐसी घटनाएं अपवाद स्वरूप होती थीं। अब चिंता की बात यह है कि ऐसी घटनाएं न केवल बढ़ रही है, बल्कि वह अब नया आकार लेते समाज का चरित्र भी बनती जा रही है।

जरा सोचिए कि इस पीढ़ी और उसके भी बाद आने वाली पीढ़ी का समाज कैसा होगा, जो अब एआई के साथ ही बड़ा होने वाला है। आवेश, क्रोध, निर्दयता, हिंसा, रिश्तों को ठुकराना भी मनुष्य के ही दुर्गुण हैं, लेकिन उसे मानव समाज का सामान्य चरित्र कभी नहीं माना गया। न ही उसे कभी सामाजिक स्वीकृति मिली है। स्वीकृति तो अब भी नहीं है, लेकिन अब सामाजिकता के अर्थ बदल रहे हैं। कम से कम भारतीय समाज में तो मां-बाप को देवतुल्य माना गया है। लेकिन उपरोक्त घटनाओं की गहराई में जाएं तो इस मान्यता का अब कोई सामाजिक और नैतिक मूल्य नहीं रह गया है। मां-बाप की हैसियत अब केवल एक एटीएम, सहवास के परिणामस्वरूप बने जैविक जन्मदाता और खारिज करने योग्य पीढ़ी के तौर पर रह गई है। कहीं कोई कृतज्ञता का भाव नहीं है। पहले संयुक्त परिवारों में मां-बाप असेट थे। एकल परिवारों में उनकी हैसियत ढोने लायक बोझ की रह गई। अब तो मामला उससे भी कहीं आगे जा चुका है। यानी बच्चों को उनकी मनमर्जी से जीने नहीं दिया गया, सन्मार्ग पर चलने की सीख भी दी तो मां-बाप को अपनी गर्दन कटवाने के लिए तैयार रहना चाहिए। यकीनन नई पीढ़ी पर पुराने पारिवारिक मूल्य अथवा जीवन संस्कार लादना न तो सही है और न ही प्रासंगिक, फिर भी परिवार संस्था जिंदा रखने का मां-बाप का आग्रह, दुराग्रह तो नहीं माना जा सकता। क्योंकि व्यक्ति से परिवार, परिवार से समाज तथा समाज से ही राष्ट्र जिंदा रहता है। अगर इस वटवृक्ष की जड़ों में मट्ठा डालने को ही आधुनिक और उन्मुक्त जीवन शैली के रूप पुरस्कृत करने का आग्रह है तो भविष्य का एकाकी और एकांगी समाज कैसा होगा, इसकी कल्पना भी सिहरा सकती है। ऐसा समाज जिसमें सौहार्द्रपूर्ण रिश्ते, भावना, संवेदना, परस्पर प्रेम, करूणा, नैतिक आग्रह और पारिवारिकता का कोई अर्थ नहीं होगा। हर कोई मन मुताबिक जीएगा या मरेगा अथवा किसी को कभी भी, किसी भी कारण से मार देगा। यह तो घोर अराजक स्थिति होगी।

मनोविज्ञानी भी इस बदलाव को बहुत गंभीरता से देख और समझने की कोशिश कर रहे हैं। मनोविश्लेषकों के मुताबिक युवा पीढ़ी के इस असामान्य व्यवहार का एक बड़ा कारण सोशल मीडिया का उनकी जिंदगी में अत्यधिक दखल, धृष्ट जीवन शैली, जीवन की जमीनी वास्तविकताओं से लगातार कटते जाना, परिवार और समाज में आंतरिक तनाव और संवादहीनता, जलवायु में तेजी से बदलाव, सतत वर्चुअल संपर्क के बावजूद अधिकांश युवाओं का अवसाद में रहना, भावनात्मक शोषण तथा निरंतर व्यग्रता इसके प्रमुख कारण हैं। तात्कालिक आवेश में आकर कोई संगीन अपराध कर बैठना एक बात है और सुनियोजित तरीके से पश्चातापविहीन गुनाह करना दूसरी बात है। माता-पिता की बात आदर भाव से सुनना तो दूर उसे अब मित्रता के भाव से लेने का चलन भी पुराना पड़ चुका है।

चाहे लखनऊ की घटना हो या फिर महाराष्ट्र की, सहनशीलता का स्तर शून्य तक जा पहुंचा है। ये वो पीढ़ी है, जो केवल आज और अपने बारे में ही सोचती है। जीवन में जरा-सी भी ऊंच- नीच इन्हें हत्या अथवा आत्महत्या की तरह तरफ धकेलने में देर नहीं करती। सबसे बड़ी चिंता ये है कि मनुष्य का मनुष्य पर से ही विश्वास मिटता चला जा रहा है। लखनऊ की घटना इसकी एक भयानक बानगी भर है।

ग्वालियर में 12वीं का छात्र छत से कूदा, मौत

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में 12वीं कक्षा के 19 वर्षीय एक छात्र ने अपने घर की दूसरी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना गुरुवार सुबह करीब 8 बजे झांसी रोड थाना क्षेत्र के हरिशंकरपुरम स्थित साइन नगर फेज-2 की है। मृतक छात्र की पहचान 20 वर्षीय उत्कर्ष उर्फ कृष्णा गुप्ता पुत्र राजीव गुप्ता के रूप में हुई है। उत्कर्ष रात में माता-पिता के साथ खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया था। सुबह जब वह कमरे से नहीं उठा, तो पिता राजीव गुप्ता उसे देखने पहुंचे।

कुर्की की कार्रवाई : 2 साल से टैक्स बकाया, दुकान-ऑफिस में ताले जड़े तो 7 ने तुरंत जमा कराए पैसे

भोपाल (नप्र)। नगर निगम की टीम ने बुधवार को होशंगाबाद रोड पर कमर्शियल टैक्स नहीं भरने पर 13 दुकानों और ऑफिस पर ताला जड़ दिया। दो साल में कई बार नोटिस मिलने के बाद भी टैक्स जमा नहीं किया जा रहा था। लेकिन, संपत्ति कुर्क होते देख 13 में से 7 ने तत्काल ही पैसा जमा कर दिया। शेष ने पैसा जमा करने के लिए एक सप्ताह की मोहलत मांगी है। राजस्व वसूली के लिए लगाए गए शिविरों में लोगों ने निगम के खाते में 10 करोड़ रुपए से ज्यादा जमा कराए। नगर निगम वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली को बढ़ाने के लिए अभियान चला रहा है। बुधवार को जोन अधिकारियों ने संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई की तो वहीं शिविरों के माध्यम से भी लोगों से संपत्ति कर समेत अन्य करों का भुगतान कराया गया। इसके लिए सभी जोन कार्यालयों से अनाउंसमेंट कराए गए। इसमें कहा गया कि संपत्ति कर समेत अन्य करों का भुगतान नहीं करने वालों पर अगले साल डबल टैक्स समेत अतिरिक्त प्रभार भी लगेगा।

सुरेंद्र विलास के पास मार्केट हैं। इसमें लोगों को दो साल पहले 2023 में पजेशन दिया गया। यहां पर दुकान और ऑफिस हैं। इनमें से 13 लोगों ने पजेशन के बाद से ही टैक्स जमा नहीं कराया था। कई बार उन्हें नोटिस दिए गए, लेकिन उन्होंने फिर भी टैक्स जमा नहीं किया। निगम की टीम ने सभी के गेट पर ताला जड़ना शुरू किया। सबसे ज्यादा बकाया निर्मला वर्मा पर 51 हजार से ज्यादा था। उसके बाद शैलेंद्र कुमार शर्मा (49 हजार), बसंत कुमार (39 हजार), मेकलसुता आरओ वाटर (31 हजार), यश इंटरप्राइजेज मनोज कुकरेजा (25 हजार), (21 हजार), (20 हजार), (18 हजार), (18 हजार), अभिनव दुबे (23 हजार), धर्मेंद्र कुमार (13 हजार) व अर्चना सेठी (11 हजार) का बकाया था। मनोज कुरेजा, अर्चना सेठी, अभिनव दुबे व शैलेंद्र ने पैसा जमा कर दिया।

टैक्स जमा नहीं करने पर संपत्ति कुर्क- नगर निगम टैक्स जमा नहीं करने वालों के खिलाफ संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई करता है। कमर्शियल संपत्ति के मामले में नगर निगम सीधे कुर्क करते हुए अपना ताला जड़ देता है, लेकिन रहवासी में निगम ऐसा नहीं कर सकता है। रहवासी संपत्ति के मामले में एक्ट कहता है कि निगम किचिन और सोने वाले कमरे को सील नहीं कर सकती है। ऐसे में निगम कुर्की की कार्रवाई करते हुए संपत्ति मालिक को सौंपती है।

सभी 85 वार्डों में लगाए शिविर

शासन के निर्देश पर नगर निगम ने बुधवार को सभी 85 वार्ड में राजस्व शिविर लगाए। इसमें संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार, लीज रेंट सहित अन्य करों/शुल्कों की वसूली की गई। संपत्तिकर के 782 करदाताओं ने 65 लाख 63 हजार 626 रूपए, 403 जल उपभोक्ताओं ने 16 लाख 58 हजार 362 रुपए तथा अन्य मदों में 21 लाख 39 हजार 102 रुपए की राशि निगम के खाते में जमा कराई। अन्य करों समेत 10 करोड़ 3 लाख से ज्यादा राशि जमा हुई।